अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति
स्थापित 1935

समाज विकास

एक समाज श्रेष्ठ समाज

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ०७
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की उद्घाटन दीप प्रज्जवलन द्वारा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया। चित्र में निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ अग्रवाल, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय गोयनका, श्री पवन जालान, प्रांतीय महामंत्री श्री शिव कुमार टेकरीवाल अन्य प्रांतीय अध्यक्षगण, महामंत्रीगण एवं अन्य सदस्यगण परिलक्षित हैं।

बेंगलुरु यात्रा के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया के नेतृत्व में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का एक शिष्टमंडल कर्नाटक प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री थावरचंद जी गहलोत से एक सौजन्यतामूलक भेंट की। चित्र में परिलक्षित हैं - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिवकुमार लोहिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ अग्रवाल एवं कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल

बधाई !

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष

श्री सीताराम अग्रवाल

इस अंक में

विशेष पेज-१७

संपादकीय
- हम कौन थे, क्या हो गये और क्या होंगे अभी

आपणी बात
- सम्मेलन के बढ़ते कदम

प्रादेशिक समाचार
- कर्नाटक, उत्कल, बिहार, दिल्ली
- झारखंड, पूर्वोत्तर

संस्कार-संस्कृति चेतना
- रथयात्रा
- घर में भोजन बनाने का महत्व
- अपने बच्चों में आदत डालें

रपट
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक
- मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन की बैठक
- संगोष्ठी : प्रोस्ट्रेट एवं यूरीनरी इंफेक्शन की जागरुकता
- अभाव से कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न हो

समाचार सार
- संयुक्त राष्ट्रसंघ का कोई विकल्प नहीं

संस्मृति
- साधक, समन्वयक : ओंकारमल अग्रवाल

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.
Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088
For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ जुलाई २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक ७
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ४
  हम कौन थे, क्या हो गये, और क्या होंगे अभी
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ५
  सम्मेलन के बढ़ते कदम
- **रपट**
  राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक ८-९
  मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन की बैठक १०
  संगोष्ठी: प्रोस्ट्रेट एवं यूरीनरी इंफेक्शन की जागरुकता १३
  अभाव से कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न हो १४

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

रथ यात्रा १७
घर में भोजन बनाने का महत्व १८
अपने बच्चों मे आदत डाले १९

- **प्रादेशिक समाचार**
  कर्नाटक, उत्कल, बिहार, दिल्ली १४-१६,२१-२३
  झारखंड, पुर्वोत्तर
- **समाचार सार**
  संयुक्त राष्ट्रसंघ का कोई विकल्प नहीं २४,२७-३०
- **संस्मृति**
  ओंकारमल अग्रवाल : साधक, समन्वयक ३१
- **विविध** ३२
- **सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत** ३३-३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

प्रिय लोहिया जी,

समाज विकास का मई २०२४ का अंक आज मुझे देखने को मिला। देखकर बड़ी खुशी हुई और मैं बड़ा प्रभावित हुआ हूँ कि अंक की सामग्री में बहुत सुधार हुआ है। प्रांतों की गतिविधियों के बारे में पहले से कहीं अधिक समाचारों का समावेश दिख रहा है।

समाज विकास के उत्तरोत्तर सुधार की शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

'समाज विकास' पत्रिका अपने समाज की बेहतरीन पत्रिका है, जो हर मारवाड़ी परिवार में जानी चाहिए और सबको पढ़ना चाहिए। हर पेज पढ़ने लायक है। बहुत-बहुत बढ़िया।

– **बबीता बगड़िया**, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष,
पश्चिम बंग मारवाड़ी महिला सम्मेलन

संस्कार-संस्कृति के अंतर्गत एक तो उबले चने की कहानी बहुत प्रेरणा दे रही है कि झूठ पर महल नहीं खड़ा कर सकते और चार पत्नियों की कहानी शिक्षाप्रद है।

– **शारदा लखोटिया,** भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष,
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन

आप हमारे पथ प्रवर्तक हैं, समाज के प्रति आपकी चिंतन "ये राहें हमें कहाँ ले जा रही है?" बिलकुल समयानुसार सटीक है।

अब पाश्चात्य संस्कृति के आपा धापी में समय बहुत बहुत बदल गया है। समय परिवर्तनशील है हमारे समाज ने समयानुसार अपने आपको काफी बदला है, बच्चियों की शिक्षा आज के समय की पुकार है किंतु संस्कार विहीन शिक्षा फसाद की जड़ है।

संयुक्त परिवार की परिकल्पना खत्म सी हो गई है। चाचा, ताऊ, भुवा, फूफा, बहन, भाई, भाभी सब अब कहाँ रह गए। संस्कार परिवार से ही आते हैं जब परिवार ही बच्चों के साथ नहीं तो संस्कार कहाँ मिलेंगे।

हाँ आज भी ग्रामीण अंचलों में या छोटे शहरों में बच्चे अपने परिवारों के साथ काफी समय बिताते हैं, उच्च शिक्षा हेतु बाहर जाते हैं उनमें बहुत हद तक संस्कार रहते हैं। सामाजिक संस्थाओं को सामूहिक रूप से आगे आना होगा, सटीक पहल करनी होगी। यह तभी संभव हैं जब बचपन से ही पारिवारिक माहौल में अपनी भाषा, अपने संस्कार, अपने सामाजिक ज्ञान, पूजा पद्धति, रहन सहन, अपने समाज के कर्णधारो, युगपुरुष आदि पर गर्व की अनुभूति कराई जाए।

सम्मेलन मंच

राजस्थानी भाषा का प्रयोग लुप्त सा होता जा रहा है। इसको रोकने के उपाय पर आपकी राय आमंत्रित है। ५०० शब्दों में १५ अगस्त २०२४ तक अपने विचार हमें aimf1935@gmail.com या व्हाट्सएप्प ८६९७३१७५५७ पर भेजें। सर्वोत्तम तीन विचार को पुरस्कृत किया जाएगा।

"हम कौन थे, क्या हो गये, और क्या होंगे अभी..."

सोलोन एक प्राचीन राजनेता, दार्शनिक एवं कवि थे। एथेनियन लोकतंत्र की नींव रखने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। आज भी लोग उन्हें श्रद्धा के साथ याद करते हैं। जनता के बीच उनका बहुत सम्मान था। एक दिन वे एक सड़ा हुआ सेव हाथ में लेकर जनता के बीच आए एवं पूछा कि क्या कोई मुझे बता सकता है कि इस सड़े हुए सेव को फिर से नया एवं जीवित करने के लिए क्या किया जा सकता है? भीड़ में कोई भी इस प्रकार के गहन प्रश्न का उत्तर देने के काबिल नहीं था। सड़े हुए सेव को नया बनाने की बात उनके लिए एकदम नई थी। ऐसा उन्होंने कभी सोचा ही नहीं था। लोगों ने सोचा कि सेव को तो फेंकने के अलावा और तो इसकी कोई उपयोगिता ही नहीं है। सोलोन ने सेव को बीच से काटा एवं उसके अंदर के बीज को अपने हाथ में निकाल कर कहा कि हमें इस सेव को नया करने के लिए बीज को फिर से बोना होगा। बीज से नए सेव पैदा होंगे और वहीं इसका नया रूप होगा। बीजों से नए सेव पैदा होंगे और वहीं सेव का नवीनीकरण होगा। सेव के उदाहरण से उन्होंने जनता को बताया कि जब मानवता सड़ने लगती है तब के लिए बच्चे ही मानवता के बीज हैं। उन पर ध्यान दो, उनकी देखभाल करो, नया मानव पैदा हो जाएगा। यह मानव का नवीनीकरण होगा। परोक्ष रूप से उन्होंने कहा कि जब मानवता का ह्रास होता है, तो मानवता के उत्थान के लिए बच्चों पर ध्यान देना जरूरी है एवं उन्हें अच्छे संस्कारों से भरना जरूरी है।

ठीक इसके विपरीत हाल ही में आंध्र प्रदेश राज्य के नांदयाल क्षेत्र के कुरनूल गांव में एक ऐसी घटना प्रकाश में आई है, जो हमें आज के माहौल का बच्चों का पर क्या असर हो रहा है, इसका एक नमूना पेश करती है। हुआ यूं कि छठवीं कक्षा की एक छात्रा को उसी के विद्यालय के १२-१३ वर्ष के तीन छात्रों ने एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। जब उन बच्चों को यह महसूस हुआ कि वह छात्रा अगर सबको बता देगी, तो उन्हें परेशानी झेलनी पड़ेगी, तब उन्होंने छात्रा की हत्या भी कर दी। यह एक कल्पनातीत घटना है। स्वतः स्फूर्त भाव से आदरणीय मैथिलीशरण गुप्त जी की कालजयी कविता की पंक्तियाँ स्मरण हो आयीं, जिसमें उन्होंने कहा था;

हम कौन थे क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी,
आओ विचारें आज मिलकर ये समस्याएं सभी।

अपनी कविता में उन्होंने भारतवर्ष को ऋषि भूमि कहा। इतने वर्षों पहले ही उन्होंने कहा था जिस पर हमने ध्यान नहीं दिया।

...संतान उनकी आज यद्यपि हम अधोगति में पड़े
वे आर्य ही थे जो कभी अपने लिए जीते ना थे
वे स्वार्थ रत हो मोह की मदिरा कभी पीते ना थे।

हम कौन थे? इस प्रश्न का उत्तर हमें चीनी यात्री फाह्यान के यात्रा वृतांत से मिलता है, जिसमें लिखा गया था– "सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य का शासन काल भारतीय इतिहास का स्वर्ण काल है। यहां के नागरिक उच्च चरित्र के धनी हैं। यहां तक कि कोई किसी की चोरी नहीं करता। लोग बाहर जाते समय घरों में ताले नहीं लगते। यदि कोई स्त्री बेहोशी की अवस्था में चौराहे पर गिर पड़े, तो हवा की भी मजाल नहीं कि उसके वस्त्र हटा सके। सशक्त शासन में देश पूर्णत सुरक्षित है।" कविता की बाद की पंक्ति पर गौर करने की जरूरत है – क्या हो गए और क्या होंगे अभी? नैतिक स्तर का ह्रास हमें कहां तक गिराएगा, कवि इस बारे में सोचने के लिए कह रहा है। सोचने की बात है कि एक ८-१० वर्षीय बच्ची के साथ १२ - १३ वर्ष के बच्चों द्वारा की गई यह घटना कई प्रश्नचिन्ह खड़े कर रही है। जिस उम्र में बच्चों की मासूमियत उन्हें बचकानी हरकत करने से नहीं रोक पाती, उस उम्र के बच्चों के लिए समाज किस प्रकार के उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है, जिस कारण उनकी सोच इतनी विकृत हो गई है। आज का पूरा सामाजिक परिदृश्य इतना संक्रमित है कि इतने छोटे बच्चे इतने शर्मनाक कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। बच्चों के सामने हम जो आचरण प्रस्तुत करते हैं उसे ही अपनाते हैं। आवश्यकता है दिनों दिन नैतिक मूल्यों की गिरावट को रोकने की। कहीं पर भी कोई कोशिश भी नहीं हो रही। इससे पहले कि समाज रसातल में जाए, चरित्र निर्माण के लिए स्वामी विवेकानंद के बताये रास्ते को हम अपनाएं। यदि कोई लगातार बुरे शब्द सुनता है, बुरे विचार सोचता है तो उसका मन बुरे संस्कारों से भरा होगा। उसके विचार और कार्य प्रभावित होंगे, इस तथ्य के बारे में उसे पता भी नहीं होगा। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को चरित्र निर्माण की ओर प्रेरित करते हुए कहा था कि प्रत्येक मनुष्य जन्म से ही दैवीय गुणो से परिपूर्ण होता है। ये गुण सत्य, निष्ठा, समर्पण, साहस एवं विश्वास से जागृत होते हैं। आर्थिक प्रगति की मृग मरीचिका को खोजने की दौड़ में हम चरित्र के इन महत्वपूर्ण तत्वों को भूल गए हैं। इस प्रकार की घटनाएं समाज को आईना दिखाने का काम करती हैं पर समाज तो "धूल चेहरे पर था और हम आईना साफ करते रहे" को दोहरा रहा है। दुनिया के धर्म एक बेजान उपहास बन गए हैं। दुनिया को चरित्र चाहिए। दुनिया को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिनका जीवन एक ज्वलंत प्रेम है - निस्वार्थ। कभी हमारे देश में नचिकेता, वीर शिवाजी अभिमन्यु, ध्रुव, एकलव्य, प्रह्लाद, वीर साहिबजादे, बटुकेश्वर दत्त एवं खुदीराम बोस जैसे बालक पैदा हुए थे। सोचने की आवश्यकता है कि आज हमारे संस्कारों को हमारा चारित्रिक पतन पहाड़ से फिसलते हुए एक पत्थर के समान है, जो निरंतर तेज गति को प्राप्त हो रहा है। इससे पहले कि हमारे चारित्रिक ढांचे को पूर्ण रूप से यह पत्थर तहस-नहस कर दे, हमें इसे बीच में रोकना चाहिए। हमारे संस्कार और संस्कृति की ओर हमें लौटना होगा। इसका कोई विकल्प नहीं है।

अगर इसे नहीं रोका गया तो स्थिति भयावह होगी, इसमें कोई शक नहीं है। यह चिंगारी कब आग बनाकर पूरे समाज को अपने आगोश में ले लेगी इसका हमें भान भी नहीं हो पाएगा।

सम्मेलन के बढ़ते कदम

२१ जुलाई, २०२४ को बेंगलुरु में आयोजित चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अतिथ्य की सभी सदस्यों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इसके पहले २० जुलाई, २०२४ को संविधान संशोधन के विषय में प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ भी बैठक संपन्न हुई। दो दिनों की बैठक के बाद सम्मेलन की परिधि शाखा ने अध्यक्ष श्रीमती माया अग्रवाल के मार्गदर्शन में एक राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित किया, जिसमें सम्मेलन परिवार के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

प्रांतीय अधिकारियों की उपस्थिति की खास बात यह रही कि महाराष्ट्र, उत्कल, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक के नवनिर्वाचित अध्यक्षों ने भाग लिया। प्रांतों में हो रहे कार्यों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। भविष्य में सम्मेलन के कार्यक्रमों एवं संगठन विस्तार में अग्रगति का संकल्प व्यक्त किया गया। यह आशा की जा सकती है कि महाराष्ट्र एवं आंध्र प्रदेश में सम्मेलन की गतिविधियों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। गतिविधियों की समीक्षा के तहत सभी प्रांतों से अनुरोध किया गया कि राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा भेजे गए पत्रों का संज्ञान लेकर उन पर त्वरित कार्यवाही हो। अनेकों बार अनुरोध करने के बावजूद इस सत्र में कुछ प्रांतों से एक भी त्रैमासिक रपट प्राप्त नहीं हुई हैं। बिहार, पूर्वोत्तर एवं उत्कल में गतिविधियाँ अबाध रूप से आगे बढ़ रही हैं। मैंने पहल करते हुए इस सत्र के लिए एक पुरस्कार योजना की घोषणा की है, जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है :–

श्रेष्ठ प्रांत पुरस्कार :

क) राष्ट्रीय कार्यक्रमों का पालन या उसमें सहभागिता।
ख) राष्ट्रीय कार्यालय से सर्वोत्तम समन्वय।
ग) राष्ट्रीय पदाधिकारियों के दौरे का आयोजन।
घ) कार्यकारिणी या अखिल भारतीय समिति की बैठक का आयोजन।
ङ) कार्यकारिणी समिति एवं अखिल भारतीय समिति में उपस्थिति।
च) त्रैमासिक एवं वार्षिक रपट समयानुसार भेजना।

सर्वाधिक शाखाओं का उल्लेखनीय संगठन विस्तार / गठन :

क) प्रतिशत
ख) संख्या

सत्र का नारा 'आपनो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज' को सार्थक करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास या प्रकल्प।

प्रांत द्वारा अनुमोदित :

श्रेष्ठ शाखा।

राष्ट्रीय समिति द्वारा शाखाओं को प्रदान किए जाने वाले पुरस्कार हेतु मानक:

(क) राष्ट्रीय समिति द्वारा घोषित कार्यक्रमों का आयोजन।
(ख) त्रैमासिक रिपोर्ट का समय पर प्रेषण।
(ग) राष्ट्रीय समिति अथवा राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन।
(घ) सदस्यता विस्तार यानि नए सदस्य बनाना।
(ङ) समयानुसार शाखा की नव कार्यकारिणी समिति का चुनाव संपन्न करवाना।
(च) नई शाखा खुलवाने में सहयोग।
(छ) राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा निर्धारित शाखा के दौरे के समय बैठक का आयोजन।
(ज) आय-व्यय विवरण का समय पर प्रेषण।

राष्ट्रीय पदाधिकारीगण निरंतरता के साथ प्रांतों के लिए सदैव उपलब्ध हैं। मेरा यह मानना है कि शिथिल प्रांतों में भी गतिविधियां प्रारंभ हो चुकी हैं। आने वाला समय सम्मेलन के लिए चौतारफा विकास का होगा। समाज को एक अनुपम संस्था पिछले ८९ वर्षों से सम्मेलन के रूप में मिली है, जिसने समाज को एक सूत्र में जोड़ने के प्रयास में सफलता पाई है। समाज सुधार के मुद्दे पर राष्ट्रीय कार्यालय से वीडियो भी जारी किया गया है जिसे सभी सदस्यों को व्हाट्सएप एवं फेसबुक के द्वारा भेजा गया है। सभी से सविनय निवेदन है कि इस वीडियो को प्रत्येक सदस्य अधिक से अधिक संख्या में अपने इष्ट मित्रों एवं जान-पहचान वालों को भेजें। सोशल मीडिया आधुनिक युग में प्रचार का यह सशक्त माध्यम है। इसका हमें भी लाभ उठाना चाहिए। अन्य विषयों पर भी वीडियो बनाने के बारे में चिंतन किया जा रहा है। साथ ही साथ प्रत्येक पाठक से मैं अनुरोध करूंगा कि फेसबुक पेज को लाइक एवं फॉलो करें और करवाएं भी।

इस वर्ष हम सम्मेलन की सर्वाधिक काल तक सेवा करने वाले समर्पित समाजसेवी **स्वर्गीय नंदकिशोर जी जालान** की शतवर्षीय जन्म जयंती का दिनांक २१ सितंबर २०२४ को पालन कर रहे हैं। सम्मेलन के प्रति उनके अवदानों का हम स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धपूर्वक याद करेंगे एवं उनके प्रति आभार प्रकट करेंगे। इसकी विस्तृत जानकारी जल्द ही आपके साथ साझा की जाएगी। स्वर्गीय जालान ने विभिन्न पदों पर रहकर सम्मेलन को अपनी सेवाएं दी थीं एवं सम्मेलन को नई ऊंचाई प्रदान करने में उल्लेखनीय एवं अद्वितीय भूमिका निभाई थी। उनके अवदानों के प्रति कृतज्ञापन करने का यह अप्रतिम अवसर है।

आप सभी को रथयात्रा एवं गुरु पूर्णिमा की अनेकानेक हार्दिक शुभकामानाएँ।

शिव कुमार लोहिया

सत्यमेव जयते

अध्यक्ष, लोक सभा
SPEAKER, LOK SABHA
INDIA

28 जून, 2024

प्रिय श्री शिव कुमार लोहिया जी,

18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के अवसर पर आपके द्वारा प्रेषित बधाई एवं शुभकामनाओं के लिए हार्दिक धन्यवाद।

यह जीत न केवल मेरे लिए सम्मान की बात है, बल्कि यह जनता के मुझ पर असीम विश्वास और निरंतर समर्थन का भी प्रतीक है। जनता का यह विश्वास और स्नेह मुझे उनकी सेवा करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है।

आपकी शुभकामनाओं के लिए पुनः धन्यवाद।

आपका,

(ओम बिरला)

श्री शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन,
4 बी, डकबैक हाउस, 41 शेक्सपियर सरणी,
कोलकाता – 700 017, पश्चिम बंगाल

Naveen Jindal
Member of Parliament

सत्यमेव जयते

6, Prithviraj Road, New Delhi-110011
Tel: 011-23010493, 23013604, 23015840
E-mail: naveen@naveenjindal.com

25th June, 2024

Dear Mr. Lohia,

Thank you very much for your gracious congratulations and your unwavering belief in my leadership.

I am honored by the trust placed in me by the people of Kurukshetra, and I am fully committed to serving them with dedication and integrity.

Once again, thank you for your kind words & best wishes.

With regards,

Yours sincerely,

(NAVEEN JINDAL)

Mr. Shiv Kumar Lohia
National President,
All India Marwari Federation
48, Duckback House,
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

MPNaveenJindal
NaveenJindalMP
NaveenJindalMP

Committed To Building The Nation Of Our Dreams

"शाखाओं के विस्तार में गति आवश्यक" – लोहिया

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का अभिवादन किया। उन्होंने कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया कि इतनी सुंदर व्यवस्था के साथ वे आयोजन को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों का पूर्ण सहयोग उन्हें मिल रहा है एवं उसके प्रति उन्होंने आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, "आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं उत्कल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष इस सभा में उपस्थित हैं, मैं उनका विशेष रूप से स्वागत करता हूँ"।

उन्होंने सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में बोलते हुए बताया कि मतदान एवं राजनीतिक चेतना पर इस बार लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में एक विस्तृत अभियान चलाया गया, जिसकी विस्तृत रपट जून महीने के समाज विकास में विस्तार से दी गयी है। उल्लेखनीय है कि लगभग ४० छोटे-बड़े शहरों से सदस्यों ने इस अभियान में भाग लिया, जो कि अभूतपूर्व है। उन्होंने पश्चिम बंगाल, सिक्किम एवं बिहार राज्य के दौरे पर अपने अनुभव सबके साथ साझा किये एवं बताया कि समाज के नवनिर्वाचित लोकसभा सांसद श्री राजेश वर्मा का भागलपुर में स्वागत किया गया।

स्वास्थ्य संबंधी पहल के तहत मणिपाल हॉस्पिटल से एक अनुबंध करके मारवाड़ी समाज के सभी बंधुओं एवं सम्मेलन के सदस्यों को मणिपाल हॉस्पिटल के देश के विभिन्न भागों में स्थित ३२ अस्पतालों में चिकित्सा सविधा देने का निर्णय किया गया। उन्होंने आगे बताया कि नए-नए लोग जुड़ रहे हैं, नई-नई पहल हो रही है। मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी के साथ बैठक की। उन्होंने विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। भवन निर्माण से संबंधित कार्य आगे बढ़ रहे हैं। शाखाओं के विस्तार में गति लाने की आवश्यकता है। समाज विकास अपने नए कलेवर में आ रही है। उन्होंने सभी प्रांतीय अध्यक्षों से अनुरोध किया कि जिन-जिन प्रांतों में राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा बाकी है, वहां पर जल्द से जल्द करवाने की व्यवस्था करें। उन्होंने सभी प्रांतों से अनुरोध किया कि राष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ समन्वय रखते हुए निरंतर संवाद कायम रखना जरूरी है, ताकि सम्मेलन की गतिविधियों को और भी तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने वर्तमान सत्र में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों के विषय में संतोष व्यक्त किया। गतिविधियों को और भी अच्छा करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग का आश्वासन भी दिया। उन्होंने संविधान संशोधन के विषय उपस्थित सभी प्रांतों के प्रतिनिधियों का उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की आगामी अखिल भारतीय समिति की बैठक में संविधान संशोधन का कार्य सम्पन्न हो जायगा। श्री गाड़ोदिया ने बताया कि गत सत्र में सम्मेलन का नारा था संस्कार के नाव पर - समय की धार पर। हमें समय के साथ चलना होगा, किंतु अपने संस्कारों को मानते हुए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष जी सराफ ने वर्तमान सत्र में

सम्मेलन की गतिविधियों पर संतोष प्रकट किया एवं संविधान संशोधन के विषय में अग्रगति पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय उपाध्यक्षों को अपना वक्तव्य सीमित रखना चाहिए। जिन प्रांतों के पदाधिकारी अनुपस्थित रहें सिर्फ उन्हीं प्रांतों का वे विवरण दें तो ज्यादा अच्छा। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी प्रांतीय संगठन की सभी जिलों में उपस्थिति होनी चाहिए। सभी प्रांतों का अपना संविधान होना चाहिए एवं सभा संचालन के लिए नियम बनाए जाने चाहिए। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठकें दो भागों में आयोजित की जाएं, ताकि सभी के द्वारा सभी बिंदुओं पर विस्तृत विचार विमर्श हो सके। उन्होंने सम्मेलन भवन निर्माण की भी जानकारी दी।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पिछली बैठक के बाद की सम्मेलन की गतिविधियों पर अपनी रपट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि जिन स्थानों में शाखाएँ अभी तक नहीं खुली हैं वहां कम से कम पाँच नयी शाखाएँ खोलें। महामंत्री ने विस्तृत रपट सभा पटल पर पेश की एवं उसके कुछ महत्वपूर्ण

बिंदुओं का वाचन भी किया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ अग्रवाल ने वित्तीय वर्ष २०२३-२४ का लेखा परीक्षक द्वारा जांचे गए लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र प्रस्तुत किया। इस संबंध में सदस्यों की जिज्ञासाओं का उत्तर दिया। पूर्वोत्तर के प्रांतीय महामंत्री श्री विनोद लोहिया ने जीएसटी संबंधी कुछ सुझाव दिए, जिसे राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने स्वीकार करते हुए कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। साथ ही राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ने अप्रैल २०२४ से जून २०२४ तक के आय-व्यय का हिसाब सदस्यों की जानकारी के लिए प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मधुसूदन जी सिकारिया एवं डॉक्टर सुभाष अग्रवाल ने अपने प्रभार के राज्यों की जानकारी दी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया की अनुपस्थिति में उनके द्वारा भेजी गयी रिपोर्ट को राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पढ़कर सुनाया।

पूर्वोत्तर प्रांत के अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा एवं महामंत्री श्री विनोद लोहिया, महाराष्ट्र प्रांत के अध्यक्ष श्री निकेश गुप्ता एवं सुदेश करवा, उत्कल प्रांत के अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, पश्चिम बंगाल प्रांत के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल, तमिलनाडु से श्री मुरारी लाल सोंथालिया एवं श्री अशोक केडिया, झारखंड से श्री निर्मल काबरा, महाराष्ट्र से श्री रमेश बंग आदि ने प्रांतो में हो रही गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

बेंगलुरु की परिधि शाखा के अध्यक्ष श्रीमती माया अग्रवाल ने अपने शाखा द्वारा किए गए कार्यक्रमों का परिचय दिया।

भूतपूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रांत के पूर्व अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने बताया कि गुड़गांव और नोएडा में नई शाखा खोलने का प्रयास जारी है। सुश्री सुषमा अग्रवाल, श्री रमेश बंग आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ. सुभाष अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

चिट्ठी आई है

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अन्तर्गत सिलीगुड़ी शाखा का २०१९ में शुभारंभ हुआ। सभी ने पूरे जोश एवं उल्लास से कई कार्यक्रम भी किए लेकिन कोरोना एवं अन्य कुछ कारणों की वजह से गतिविधियां कुछ धीमी पड़ीं। लेकिन पिछले कुछ महीनों से प्रान्तीय अध्यक्ष श्री नंद किशोर जी का मार्गदर्शन एवं हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी एवं अन्य पदाधिकारियों के सिलीगुड़ी आगमन से सभी में अत्यंत जोश भरा एवं मार्गदर्शन मिला। श्री लोहिया जी ने सम्मेलन के सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। मारवाड़ी भाषा का प्रचार-प्रसार, सामाजिक बुराइयों पर चिंता, उच्च शिक्षा में सहयोग आदि सभी प्रकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुझे पूरी उम्मीद है कि नई कार्यकारिणी नए कार्यक्रमों के साथ सम्मेलन समाज को नई दिशा दिखाने में समर्थ होगा। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय समिति से भी हमें बराबर सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहेगा, ऐसी कामना करता हूँ।

– रामावतार बरेलिया
सिलीगुड़ी

मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन की बैठक

आपसी सहयोग को और दृढ़ करने के लिए परस्पर संवाद जारी रखने का लिया गया निर्णय

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री अंजू सरावगी के नेतृत्व में शिष्टमंडल की अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ एक बैठक संपन्न हुई। सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने महिला सम्मेलन की सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इस बैठक में दोनों संस्थाओं के परस्पर सहयोग को और दृढ़ करने के विषय में विस्तृत चर्चा की। समाज में व्याप्त विसंगतियों जैसे – विवाह समारोह में मद्यपान व प्री-वेडिंग शूट आदि के सार्वजनिक प्रदर्शन को दूर करने में साथ-साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया गया। राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए भी दोनों प्रतिनिधि मंडल ने अपनी प्रतिबद्धता जताई एवं इस उद्देश्य के लिए साथ-साथ काम करने पर सहमति जताई। आने वाली पीढ़ी को समाज एवं परिवार के संस्कारों से अवगत कराने के लिए लुप्त होते संस्कार-संस्कृति के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। परस्पर सहयोग के साथ कदम उठाने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन एवं समाज के हित में कार्यक्रमों में आपसी सहयोग को और दृढ़ करने के लिए परस्पर संवाद जारी रखने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी एवं वित्त उपसमिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया भी उपस्थित थे। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजू सरावगी के साथ राष्ट्रीय महामंत्री निशा मोदी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा लाखोटिया, प्रांतीय अध्यक्ष विनीता अग्रवाल, निवर्तमान पश्चिम बंगाल प्रांतीय अध्यक्ष बबीता बगड़िया एवं भूतपूर्व पश्चिम बंग प्रांतीय अध्यक्ष रेनू अग्रवाल आदि उपस्थित थीं।

शाखा समाचार : बेंगलुरु

वैवाहिक परिचय सम्मेलन का सफल आयोजन

३० जून को स्थानीय गोड़वाड़ भवन में कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी युवा मंच की बेंगलूरु शाखा के सामूहिक प्रयास से 'विवाह परिचय सम्मेलन' का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मारवाड़ी समाज के अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन व विप्र समुदाय के १५० युवक-युवतियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। समाजसेवी चन्द्रप्रकाश रामसिसरिया, मारवाड़ी सम्मेलन की बेंगलुरु शाखा अध्यक्ष अरुण खेमका तथा स्नेहकुमार जाजू आदि ने दीप प्रज्ज्वलन कर परिचय सम्मेलन की शुरुआत की।

विशेषकर रमाकांत सराफ, शिवकुमार टेकरीवाल, महेश अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, प्रिंस जैन, संजय जाजोदिया और विकास पोद्दार ने समय-समय पर परिचय सम्मेलन कार्यकर्ताओं को अपना मार्गदर्शन दिया। सम्मेलन की बेंगलुरु शाखा के सचिव पंकज जालान ने सभी का स्वागत किया। मारवाड़ी युवा मंच कर्नाटक के प्रांतीय उपाध्यक्ष गोपाल कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस आयोजन में विभिन्न सभा-संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। परिचय सम्मेलन में उपस्थित युवक-युवतियों ने मंच पर पहुँचकर डिजिटल बायोडाटा स्क्रीन के समक्ष अपना-अपना परिचय दिया। सभी प्रतिभागियों को एक-दूसरे से परिचय करने का अवसर प्रदान किया गया। बेंगलुरु शाखा महामंत्री पंकज जालान, मायुम के सचिव शुभम लोहिया, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, संदीप टिबरेवाल, शुभम लोहिया, अरुण शर्मा, अमित मोदी, सुशील सैनी, आशीष कवटिया, गौरव शर्मा और मारवाड़ी युवा मंच की पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर संदीप बरड़िया व उनकी टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

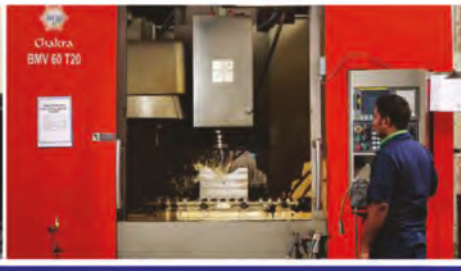

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
- Radiology

- MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
- Ultrasonography | - Colour Doppler Study

- Cardiology

- ECG | - Echo-Cardiography
- Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
- Treadmill Test (TMT)

- Wide Range of Pathology
- Pulmonary Function Test
- UGI Endoscopy / Colonoscopy
- Physiotherapy
- EEC / EMG / NCV
- General & Cosmetic Dentistry
- Elder Care Service
- Sleep Study (PSG)
- EYE / ENT Care Clinic
- Gynae and Obstetric Care Clinic
- Haematolgy Clinic
- Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
- Health Check-up Packages
- Online Reporting
- Report Delivery

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

सम्मेलन सदस्यो के लिए 'मणिपाल प्रिविलेज कार्ड' जारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के डकबैक हाउस, सभागार में २९ जून को 'प्रोस्ट्रेट एवं यूरीनरी इंफेक्शन' विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने की। श्री लोहिया ने सभी उपस्थित महानुभावों का स्वागत, अभिनंदन किया। प्रधान वक्ता मणिपाल हॉस्पिटल्स के सुप्रसिद्ध डॉ. मयंक बैद ने प्रोस्टेट एवं यूरीनरी इन्फेक्शन के लक्षण और उपाय के बारे में विस्तार से चर्चा की। डॉ. बैद ने बताया कि जीवाणु प्रोस्टेटाइटिस बैक्टीरिया के कारण प्रोस्टेट के संक्रमण का लक्षण जल्दी दिख सकता है। इसमें बुखार, ठंड लगना, मूत्र परिवर्तन, मूत्र स्खलन, दर्द और पेट के आस-पास के क्षेत्रों में दर्द हो सकता है। एंटीबायोटिक दवाओं के साथ उपचार से अक्सर जल्दी राहत मिलती है। समय रहते स्वास्थ्य परीक्षण कर गंभीर रोगों की रोकथाम की जा सकती है। आधुनिक जीवनशैली में जंक फूड और फास्ट फूड इन रोगों के विकास में सहायक होते हैं। जीवनशैली, खान-पान, योग व पानी के समुचित उपयोग से इसमें राहत मिलती है। मौके पर मणिपाल हॉस्पिटल्स द्वारा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों के 'प्रिविलेज कार्ड' के प्रतिरूप का विमोचन किया गया। वित्त उपसमिति के चेयरमैन आत्माराम सोंथलिया, जुगल किशोर जाजोदिया, पीयूष कयाल ने मणिपाल हॉस्पिटल्स के डॉ. मयंक बैद , डॉ. शंकर चन्द्रप्पा और डॉ. अरुण चक्रवर्ती को दुपट्टा भेंट कर सम्मानित किया। सम्मेलन की स्वास्थ्य उपसमिति के चेयरमैन और मणिपाल हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर अनिल कुमार मल्लावत ने डॉ. मयंक बैद का संक्षिप्त परिचय और मणिपाल हॉस्पिटल्स के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी उपस्थित लोगों को दी। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। सम्मेलन के प्रांतों व शाखाओं के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने आभासी पटल-फेसबुक के माध्यम से जुड़कर संगोष्ठी का लाभ उठाया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन कुमार जालान, पूर्व राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री गोपाल अग्रवाल, अरुण प्रकाश मल्लावत, नंदलाल सिंघानिया, बंशीधर शर्मा, सीताराम अग्रवाल, रघुनाथ झुनझुनवाला, राजेश कुमार सोंथलिया, विजय वशिष्ठ, राज कुमार अग्रवाल, घनश्याम सुगला, यश सिंघानिया, अमित कुमार कहाली, अरविंद कुमार मुरारका, सज्जन बेरीवाल, सुरेश विजयवर्गीय, गिरधारी लाल केसान व अर्पिता पाल आदि मौजूद रहे।

संघे शक्ति कलियुगे

पूर्वोत्तर में मारवाड़ी समाज के दुःख दर्द में सम्मेलन, सम्मेलन के स्थानीय पदाधिकारी, सम्मेलन का प्रांतीय नेतृत्व, सम्मेलन की समस्त शाखायें आवश्यकतानुसार उठ खड़ी होती हैं।

गत दिनों तीन घटनाएँ हुईं –

१. गुवाहाटी के एक सज्जन श्री विमल कांकरा गुम हो गए। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा एवं प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया उनके पुत्र को साथ लेकर असम के महामहिम राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया से मिले। उस समय लोकसभा के चुनाव चल रहे थे।

२. असम के छोटे से नगर टियोक के श्री मुकेश अग्रवाल के १४ वर्षीय पुत्र की गहन चिकित्सा हेतु धन की अचानक आवश्यकता आन पड़ी। उन्होंने सोशल मीडिया पर आवाहन किया। प्रांतीय महामंत्री ने स्थानीय शाखा से बात कर वेरिफिकेशन कर समाज बंधुओं एवं शाखाओं से अपील की। उनको आवश्यकता से अधिक की सहायता प्राप्त हुई। अंततोगत्वा उन्होंने और मदद नहीं करने की अपील की। यह समाज की संवेदनशीलता एवं श्री मुकेश के स्वाभिमान को दर्शाता है।

३. अभी एक सप्ताह पहले ग्वालपाड़ा के व्यवसायी स्व. अशोक गोयल की हत्या कर दी गयी। प्रांतीय महामंत्री ने प्रांत के ट्विटर हैंडल से केंद्रीय गृहमंत्री, राज्य के मुख्यमंत्री, राज्य के DGP, स्थानीय पुलिस, लोकसभा में सह-नेता, प्रतिपक्ष को ट्वीट कर अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई एवं पीड़ित परिवार के लिए मुआवज़े की मांग की। उस ट्वीट को सम्मेलन के अन्य १७ लोगों ने रीट्वीट किया। उसके बाद प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा के नेतृत्व में उक्त मण्डल से प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री सरजीत सिंह भारी, बोंगईगांव शाखा के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र हरलालका, बारपेटा शाखा के सचिव श्री प्रमोद अग्रवाल सहित प्रतिनिधि मंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। वहीं पधारे राज्य के शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल के समक्ष भी प्रांतीय अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार के लिए उचित सहयोग की मांग रखी।

स्थानीय समाज ने सम्मेलन के एप्रोच पर खुशी जतायी एवं शाखा खोलने के लिए आग्रह किया। प्रांतीय अध्यक्ष ने वहां तदर्थ समिति बनाकर शाखा खोलने का मार्ग प्रशस्त किया।

– **श्री बिनोद लोहिया**, प्रांतीय महामंत्री, पूर्वोत्तर

सीताराम अग्रवाल नये प्रांतीय अध्यक्ष

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और कर्नाटक, तमिलनाडु एवं तेलंगाना के प्रभारी सुभाष अग्रवाल ने रविवार को कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल को शपथ दिलाई। शिवकुमार टेकरीवाल पुनः महासचिव नियुक्त हुए और रमेश भाऊवाला, गौरी शंकर गुप्ता, सतीश मित्तल पुनः उपाध्यक्ष नियुक्त हुए।

समारोह में मारवाड़ी महिला परिधि की अध्यक्ष माया अग्रवाल, मंजू सुभाष अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, निर्मला गोयल, शकुंतला अग्रवाल, संतोष भाऊवाल, सविता अग्रवाल, दामोदर अग्रवाल, ओमप्रकाश पोद्दार, आनंद बंसल, प्रकाश चौधरी, उमंग अग्रवाल, प्रीतम अग्रवाल, गजेंद्र अग्रवाल, प्रकाश चौधरी, बिनोद गोयल और ओमप्रकाश कानोडिया आदि मौजूद रहे। महासचिव टेकरीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री सीताराम अग्रवाल–परिचय

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सीताराम जी का जन्म उड़ीसा में १४ नवंबर १९६० को हुआ था। उनके पिताजी का नाम स्वर्गीय गोविंद राम जी अग्रवाल है। उनकी धर्मपत्नी का नाम श्रीमती शकुंतला देवी है। वे विज्ञान एवं वाणिज्य दोनों विषयों में स्नातक हैं। १९७७-७८ में उन्होंने संबलपुर विश्वविद्यालय के अंतर्गत राजेंद्र महाविद्यालय के विद्यार्थी संघ के उपसभापति का पदभार संभाला। आप बी सी जाना मेमोरियल विकलांग केंद्र और मारवाड़ी युवा मंच, बलांगीर के भूतपूर्व अध्यक्ष हैं। लायंस क्लब सैतला के संस्थापक सदस्य हैं। उन्होंने जिला ३२२८२ में १० वर्षों तक लगातार फर्स्ट साइटअध्यक्ष का पदभार संभाला एवं १९९४-९५ में लायंस क्लब ऑफ सैतला के अध्यक्ष भी चुने गए।

अभाव में कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न हो : रूंगटा

डीजी वैष्णव कॉलेज में मारवाड़ी समाज की बैठक शनिवार को आयोजित की गई। कॉलेज के बोर्ड रूम में समाज की बैठक की अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष नन्द लाल रूंगटा ने अध्यक्षता की। इस मौके पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। बैठक में राष्ट्रीय व सामाजिक विकास के अनेक मुद्दों पर गम्भीर चर्चा की गई। नन्द लाल रूंगटा ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम ऐसे सम्मानित संगठन के माध्यम से समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमें उन छात्रों की मदद करनी चाहिए, जो आईएएस पीसीएस जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। समाज का कोई बच्चा यदि अभाव के कारण उच्च शिक्षा या प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा से वंचित हो जाता है, तो यह हम सभी के लिए चिन्ता का विषय है'। रूंगटा ने विवाह, तलाक, व्यापारिक संबंधों में मनमुटाव, चिकित्सा और सौहार्द आदि जैसे विषयों पर गहन विचार प्रस्तुत किया।

कॉलेज के महासचिव डॉ. अशोक मूंदड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि नंद लाल रूंगटा जैसा व्यक्ति हमारे मार्गदर्शन हेतु यहां उपस्थित है। आशोक लाखोटिया, अशोक केडिया और अन्य ने श्री रूंगटा का सम्मान किया। बैठक में सामाजिक और राष्ट्रीय विकास पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया।

प्रांतीय समाचार : बिहार

दो दिवसीय बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी जिला शाखा सम्मेलन सह प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

दो दिवसीय बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी जिला शाखा सम्मेलन सह प्रतिभा सम्मान समारोह कौन सा प्रेक्षागृह – पटना, भागलपुर, छपरा, मुजफ्फरपुर जो भी हो, लिख दे : प्रेक्षागृह में शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बीएनएमयू के कुलपति प्रो डॉ. विमलेंदु शेखर झा, डीआईजी मनोज कुमार, बिहार सरकार के शिक्षा सलाहकार प्रोफेसर एन के अग्रवाल, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल, प्रांत के वरीय उपाध्यक्ष अमर दहलान, शाखा अध्यक्ष गोपाल शंकर, पूर्व अध्यक्ष पवन सूरेका, बिहार प्रदेश अध्यक्ष जुगल किशोर अग्रवाल, मनीष सर्राफ, मुकेश जैन व कमल रुपाणी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह के संयोजक आशीष आदर्श, राजेश यादुका, आदित्य अग्रवाल व सोनू भीमसरिया के द्वारा गणमान्य अतिथियों को राजस्थानी पगड़ी, चादर व पुष्पगुच्छ आदि देकर सम्मानित किया गया। एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ने कहा कि मारवाड़ी समाज सामाजिक कल्याण के लिए अनेकानेक कार्य करते आ रहा है। इसकी पहचान समाज में आज भी कायम है। उन्होंने कहा कि इस संगठन के माध्यम से पैसे के अभाव में कोई बच्चा उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रहे। इसके लिए मारवाड़ी समाज १० लाख रुपया तक मदद करेगा। उन्होंने कहा युवाओं को ऊर्जा प्रदान करने एवं मनोबल बढ़ाने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। बच्चों में जो प्रतिभा है, उसे सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज के युवा अब जीवन के हर क्षेत्र में अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार एनडीए की परीक्षा में मारवाड़ी समाज के ६२ छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। इस सफलता के पीछे माता-पिता, गुरु और मित्रों के हाथ हैं। भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विमलेंदु शेखर झा ने कहा कि मारवाड़ी समाज भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ है। देश के जीडीपी में इनका अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज के लिए कल्याण कार्य चलाए जा रहे हैं, जो केवल मारवाड़ी समाज के लिए ही चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप अपना दायरा बढ़ाते हुए समाज के कमजोर एवं निर्धन लोगों के बीच अपना सेवा कार्य पहुँचाएं। इससे देश में सामाजिक समरसता की भावना का संचार होगा।

शाखा सचिव राजेश यादुका ने बताया कि संपूर्ण बिहार के मारवाड़ी समाज के १२५ प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया। संध्या में प्रादेशिक कार्यकारणी की बैठक एवं हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मारवाड़ी समाज के ८५ बुजुर्ग अभिभावक एवं माताओं को सम्मानित कर आमसभा भी आयोजित हुई। वहीं प्रतिभा सम्मान संयोजक आशीष आदर्श के अलावे पूरे बिहार की विभिन्न शाखाओं से सैकड़ों प्रतिनिधि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में शामिल हुए। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में प्रयागराज उत्तर प्रदेश से अखिलेश द्विवेदी, दौसा राजस्थान से सपना चौधरी, बाराबंकी उत्तर प्रदेश से विकास बौखल और दिल्ली से सूरज मणि ने इसमें भाग लिया।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

वन महोत्सव पालित

राष्ट्रीय वन महोत्सव के अवसर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बलांगीर शाखा की ओर से स्थानीय संबलपुर रोड स्थित क्वीन इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पर्यावरण पर एक सेमिनार का भी आयोजन हुआ। १०० वृक्ष लगाए गए तथा सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ और अन्य अधिकारी उपस्थित हुए। शाखा अध्यक्ष संजय अग्रवाल (अनु), वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन अग्रवाल, महासचिव गजानन अग्रवाल, सहसचिव अनिल मोदी, भूतपूर्व अध्यक्ष मनोज जैन, प्रांतीय राजनीतिक अध्यक्ष विष्णु प्रसाद केडिया, क्वीन स्कूल के अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल, डायरेक्टर अभिलाष अग्रवाल, श्रीमती सुजाता अग्रवाल, श्रीमती रजनी अग्रवाल और श्रीमती कमला केडिया ने योगदान दिया। श्री बिष्णु प्रसाद केडिया ने सभा की परिचालना की। श्री कैलाश अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

प्रथम कार्यकारिणी में पारित हुए कई प्रस्ताव

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सत्र २०२४-२६ की प्रथम कार्यकारिणी बैठक अंगुल शाखा के आतिथ्य में १२५ प्रतिनिधियों के साथ होटल प्रशांति में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल की अध्यक्षता एवं निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद राम अग्रवाल, उपाध्यक्ष कैलाश चंद अग्रवाल, प्रांतीय सचिव सुभाष अग्रवाल, शिक्षा विकास कोष के अध्यक्ष अशोक जालान, स्वागत अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, अंगुल शाखा अध्यक्ष रमेश साह, कार्यक्रम संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, उपाध्यक्ष मधुसूदन शर्मा एवं सभी जोन उपाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य, शाखाओं के अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच के सदस्य और महिला मंडल सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई। उपर्युक्त बैठक में सम्मेलन के सभी जोन में सामाजिक पंचायत का गठन, प्रांतीय स्तर पर वृक्षारोपण हेतु एक तिथि तय करने हेतु निर्णय, कांटाबांजी एवं टिटलागढ़ में राज्यस्तरीय कार्यशाला के आयोजन हेतु संयोजक विकास सुल्तानिया के प्रस्ताव का अनुमोदन, कालाहांडी जोन में राज्य स्तरीय MSME कार्यशाला के आयोजन हेतु प्रस्ताव को अनुमोदन, शाखाओं में नए सदस्य जोड़ने हेतु अभियान चलाने तथा भटली शहर में नई शाखा खोलने पर विस्तृत चर्चा होने के साथ शिक्षा विकास ट्रस्ट हेतु २ लाख ६१ हजार रुपए की राशि संग्रहित भी हुई। बलांगीर शाखा के अध्यक्ष द्वारा द्वितीय प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए प्रस्ताव दिया गया। सभी जोन में प्रांतीय पदाधिकदारियों के द्वारा दौरा किया जाने का निर्णय लेने के अलावे समाज सुधार पर ड्राफ्ट बनाकर पारित किया गया तथा मानने वाले को लाला लाजपतराय समाज सुधार पुरस्कार की घोषणा पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में आम चुनाव में जागरूकता हेतु सभी जोन के अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। विधानसभा चुनाव में मारवाड़ी समाज के विजयी उम्मीदवार नवीन जैन को सम्मेलन द्वारा सम्मानित किया गया। कटक शाखा के प्रभाष चंद जैन को शीतल पेयजल प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए भामाशाह सम्मान और रमेश चौधरी को सम्मानित किया गया। शिक्षा विकास कोष हेतु श्री विजय केडिया जी और मेडिकल कीट प्रदान करने हेतु रमेश साह जी, अंगुल तथा श्री विजय मित्तल जी को सम्मानित किया गया। सर्वाधिक नए मेंबर जोड़ने हेतु संबलपुर शाखा से सरिता अग्रवाल जी का सम्मान किया गया। बैठक की शुरुआत महिला मंडल द्वारा स्वागत गान के माध्यम से किया गया। प्रांतीय सचिव द्वारा विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक में प्रांत द्वारा ५ अस्पतालों से MOU की घोषणा की गई। अंत में आयोजक शाखा अंगुल को और सभी उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष का अभिनंदन

पुनः लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उनके दिल्ली स्थित निवास पर दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा पीतमपुरा के अध्यक्ष लक्ष्मीपत भुतोड़िया की ओर से अभिनंदन किया गया।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

कांटाबांजी जोन का सांगठनिक दौरा

१६ जून को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मधुसूदन शर्मा (गोडभगा), जोनल उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल (राजखारियार) एवं जोनल सचिव धीरज अग्रवाल (कांटाबाँजी) द्वारा कांटाबाँजी जोन के पटनागड़, बेलपाड़ा एवं सिंधीकेला शाखा का सांगठनिक दौरा किया गया। उक्त दौरे के माध्यम से सम्मेलन की सभी शाखाओं को समाज के सदस्यों से जोड़ने हेतु आग्रह किया गया। उक्त दौरे से कांटाबाँजी जोन की शाखाओं में एक तरह के उत्साह का सृजन हुआ।

रथ यात्रा

"भगवान जगन्नाथ की ये रथ यात्रा हर साल आषाढ़ महीने की द्वितीय तिथि पर निकाली जाती है। कहते हैं कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण के अवतार के रूप में भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम के साथ अपनी बहन सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए ले जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर घूमने की इच्छा जाहिर की थी, जिसके बाद बहन की इच्छा पूरी करने के लिए भगवान जगन्नाथ ने ३ रथ बनवाए और सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ यात्रा पर ले गए। सबसे आगे वाला रथ भगवान बलराम का, बीच वाला रथ बहन सुभद्रा का और सबसे पीछे वाला रथ भगवान जगन्नाथ का होता है। इसी मान्यता के साथ एक और कहानी जुड़ी है। कहते हैं जब भगवान जगन्नाथ सुभद्रा को नगर घुमाने के लिए रथ पर निकले तो रास्ते में ही अपनी मौसी के घर गुंडिचा भी गए और वहां ७ दिन ठहरे भी। इसके बाद से ही हर साल इस रथ यात्रा को निकालने की परंपरा शुरू हुई।

कब और कैसे हुई जगन्नाथ मंदिर की स्थापना?

मान्यता के अनुसार जब द्वारिका में भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया जा रहा था, तब बलराम बहुत ही दुखी हुए। अपने दुख के चलते बलराम कृष्ण का मृत शरीर लेकर समुद्र में डूबकर मरने के लिए चल दिए। बलराम के पीछे-पीछे उनकी बहन सुभद्रा भी चल दीं। ठीक उसी समय भारत के पूर्वी तट पर जगन्नाथ पुरी के राजा इंद्रुयम्न को सपना आया कि भगवान का मृत शरीर पुरी के तट पर तैरता हुआ मिलेगा। इसके बाद वे एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाएंगे, जिसमें कृष्ण, बलराम और सुभद्रा की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। राजा इंद्रुयम्न ने सपने में यह भी देखा कि भगवान की अस्थियां उन्हीं की मूर्तियों के पीछे एक खोखली जगह बनाकर उसी में रखी हैं"।

रथ यात्रा में सोने की झाड़ू से होता है रास्ता साफ

तीनों रथों के तैयार होने के बाद इसकी पूजा के लिए पुरी के गजपति राजा की पालकी आती है। इस पूजा अनुष्ठान को 'छर पहनरा' नाम से जाना जाता है। इन तीनों रथों की वे विधिवत पूजा करते हैं और सोने के झाड़ू से रथ मण्डप और यात्रा वाले रास्ते को साफ किया जाता है।

कैसे शुरू हुई जगन्नाथपुरी में रथ यात्रा

हिंदू धर्म ग्रंथों और पुराणों में जगन्नाथजी की रथ यात्रा के बारे में वर्णन मिलता है। स्कंद पुराण, नारद पुराण, पद्म पुराण और ब्रह्म पुराण में रथ यात्रा के बारे में विस्तार से बताया गया है। इस कारण से हिंदु धर्म में इस रथ यात्रा का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो भी व्यक्ति इस रथयात्रा में शामिल होकर रथ को खींचता है, उसे सौ यज्ञ करने के बराबर पुण्य प्राप्त होता है।

क्यों विराजते हैं जगन्नाथपुरी में भगवान श्रीकृष्ण

पुरी के जगन्नाथपुरी मंदिर में भगवान कृष्ण अपनी बहन

सुभद्रा और भाई बलराम के साथ विराजमान हैं। क्या आपने सोचा है कि भगवान जगन्नाथ पुरी में क्यों विराजमान हैं। दरअसल एक बार द्वारकापुरी में भगवान श्रीकृष्ण रात में सोते समय अचानक नींद में राधे-राधे बोलने लगे। भगवान कृष्ण की पत्नी रूकमणिजी ने जब यह सुना तो उन्हें बहुत आश्चर्य हुआ। उन्होंने भगवान की यह बात अन्य सभी रानियों को भी बताई। सभी रानियां आपस में विचार करने लगीं कि भगवान कृष्ण अभी तक राधा को नहीं भूले हैं। सभी रानियां राधा के बारे में चर्चा करने के लिए माता रोहिणी के पास पहुंचीं। माता रोहिणी से सभी रानियों ने आग्रह किया कि भगवान कृष्ण की गोपिकाओं के साथ हुई रहस्यात्मक रासलीला के बारे में बताएं। पहले तो माता रोहिणी ने उन सभी को टालना चाहा, लेकिन महारानियों के हठ करने पर कहा – ठीक है सुनो, सुभद्रा को पहले पहरे पर बिठा दो, कोई अंदर न आने पाए, भले ही बलराम या श्रीकृष्ण ही क्यों न हों।

माता रोहिणी द्वारा भगवान श्री कृष्ण की रहस्यात्मक रासलीला की कथा शुरू करते ही श्री कृष्ण और बलराम अचानक महल की ओर आते दिखाई दिए। देवी सुभद्रा ने अपने दोनों भाइयों को उचित कारण बताकर दरवाजे पर ही रोक लिया। महल के अंदर से श्रीकृष्ण और राधा की रासलीला की कथा श्रीकृष्ण, सुभद्रा और बलराम तीनों को ही सुनाई दे रही थी। उसको सुनने से श्रीकृष्ण और बलराम के अंग-अंग में अद्भुत प्रेम रस का उद्भव होने लगा। साथ ही बहन सुभद्रा भी भाव विह्वल होने लगीं। तीनों की ही ऐसी अवस्था हो गई कि पूरे ध्यान से देखने पर भी किसी के हाथ-पैर आदि स्पष्ट नहीं दिखते थे।

अचानक देवऋषि नारद वहां आ गए। नारदजी को देखकर तीनों पूर्ण चेतना में वापस लौटे। नारद जी ने भगवान कृष्ण से प्रार्थना की कि हे भगवान आप तीनों के जिस महाभाव में लीन मूर्तिस्थ रूप के मैंने दर्शन किए हैं, वह सामान्य जनों के दर्शन हेतु पृथ्वी पर सदैव सुशोभित रहे। भगवान श्री कृष्ण ने तथास्तु कह दिया। कहते हैं भगवान कृष्ण, बलराम और सुभद्रा जी का वही स्वरूप आज भी जगन्नाथपुरी में है, जिसे स्वयं विश्वकर्मा जी ने बनाया था।

घर में भोजन बनाने के महत्व

१९८० के दशक के प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने लोगों को चेतावनी दी कि यदि रसोई निजी कंपनियों को सौंप दी गई और अगर बुजुर्ग एवम बच्चे की देखभाल भी सरकार को देते हैं, तो परिवार की जिम्मेदारियां और इसकी प्रासंगिकता नष्ट हो जाएगी। लेकिन बहुत कम लोगों ने उनकी सलाह सुनी। घर पर खाना बनाना बंद है। बाहर ऑर्डर करने की आदत के कारण अमेरिकी परिवार लगभग विलुप्त हो गए। घर पर खाना बनाना मतलब परिवार को स्नेह से जोड़ना।

अगर रसोई नहीं है, सिर्फ एक शयनकक्ष है, तो घर एक परिवार नहीं सिर्फ एक छात्रावास है।

१९७१ में, ७१ प्रतिशत अमेरिकी परिवारों के पति और पत्नी बच्चों के साथ साथ रहते थे। २०२० तक यह प्रतिशत गिरकर २० पर आ गया है। जो वृद्ध तब परिवार के साथ रहते थे, वे अब नर्सिंग होम (वृद्धाश्रम) में रह रहे हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग ५० प्रतिशत प्रथम विवाह इस सोच, व्यवस्था के कारण तलाक में समाप्त हो जाते हैं। दूसरी शादी का ६७ प्रतिशत और तृतीय विवाहों में से ७४ प्रतिशत समस्याग्रस्त हैं।

बाहर खाने से शरीर मोटा हो जाता है, जो अनेक रोगों का कारण है। बाहरी भोजन से अनेक संक्रमण और अनावश्यक खर्च की आशंका रहती है। बाहरी भोजन में प्रेम, समर्पण और ईश्वर का भाव न होने से यह केवल खानापूर्ति बनकर रह जाता है। इसमें न गुणवत्ता होती है, न पौष्टिकता और न ही अपनापन।

ध्यान दें :-

बगैर रसोई के बने शयनकक्ष से परिवार नहीं बनते हैं। इसलिए रसोई में खाना बनाना ही परिवार की भलाई का एकमात्र उपाय है। शारीरिक और मानसिक संजीवनी स्वास्थ्य एवं स्वस्थ्य अर्थव्यवस्था के लिए भी जरूरी है। इसलिए हमारे घर के बड़े हमें सलाह देते हैं कि बाहर का खाना कम करें/ परहेज करें, लेकिन आज हम अपने परिवार के साथ रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं...", स्विगी, जोमैटो, उबर ईट्स जैसे ऑनलाइन ऑर्डर करना और खाना पसन्द करते हैं, उच्च शिक्षित, मध्यम वर्ग के लोगों में भी यह फैशन बन रहा है।

यह आदत होगी आपदा...

ऑनलाइन कंपनियां मनोवैज्ञानिक रूप से तय करती हैं कि हमें क्या खाना चाहिए... यह व्यापार है, परिवार का भाव नहीं। हमारे पूर्वज तीर्थ यात्रा और यात्रा पर जाने के लिए भी पहले खाना बनाते और साथ ले जाते "कभी कभार बाहर खाना या मंगवाना, सम काल के अनुसार ठीक है, मगर इसको आदत बना लेना, भविष्य के लिए चिंता का विषय हो सकता है"।

तो घर में पकाएं, साथ में खाएं और सुखी रहें।

घर के बुजुर्ग

बच्चों को बुजुर्गो से दूर न करें। अमूमन बच्चे पैसे की जरूरत होने पर बड़ों के पास जाते हैं। माता-पिता से बात मनवानी हो तो बच्चों को बुजुर्गों की याद आती है। ऐसा न करें। बड़ों के पास नियमित रूप से बैठें और उन्हें अपनी दुनिया में शामिल करें। बुजुर्ग बढ़ती उम्र में अकेलापन महसूस करते हैं, खासतौर पर अपने साथी के जाने के बाद। इसलिए उनके साथ समय जरूर बिताएं। उन्हें ये एहसास न होने दें कि वे अकेले हैं। आपके फैसले बेशक छोटे होते हों लेकिन बड़ों से सलाह लें और उन्हें अपने निर्णयों में शामिल करें।

घर के बुजुर्गों के साथ नियमित रूप से थोड़ा वक्त जरूर बिताएं। उनसे कहकर ही घर के बाहर जाएं और वापस आकर भी उन्हें अपने लौटने की सूचना दें। इससे बुजुर्गों को ना केवल प्रेम और परवाह का अहसास होता है, बल्कि वे अपने आपको घर का बड़ा समझकर खुश भी होते हैं। जिस तरह बुजुर्ग बच्चों से निःस्वार्थ भाव से प्रेम करते हैं, उसी प्रकार बच्चों को भी चाहिए कि वे अपने बुजुर्गों से आत्मीयता रखें, प्रेम करें। बच्चों के सोने का समय बुजुर्गों के साथ ही निश्चित करें। इससे बुजुर्गों और बच्चों का साथ अधिक समय तक रहता है, जिससे बच्चे उनसे अच्छा सीख पाते हैं। उनके जन्मदिन, शादी की सालगिरह का उत्सव जरूर मनाएं।

"बच्चों को सबसे निश्छल और निःस्वार्थ प्यार जो दे सकता है, वे होते हैं घर के बुजुर्ग। माता-पिता कई बार जिम्मेदारियों व नौकरीपेशा होने के कारण बच्चों को पर्याप्त समय व दुलार नहीं दे पाते। वह कमी दादा-दादी, नाना-नानी पूरी करते हैं। वे अपना पूरा प्यार सूद सहित अपने पोता-पोती, नाती-नातिन पर उड़ेल देते हैं।"

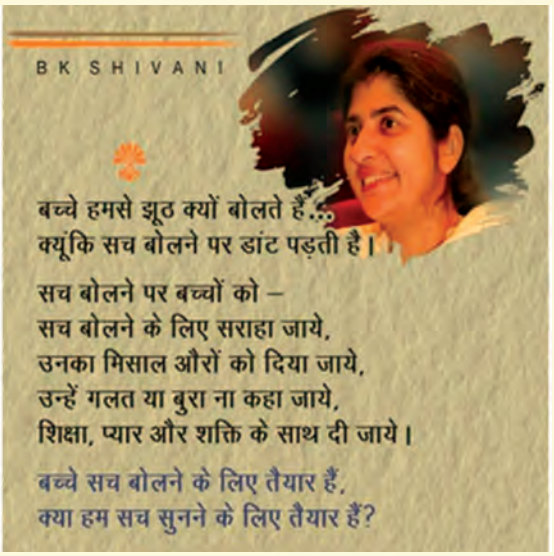

सत्य और संकल्प पर अटल रहें

यह एक पोलियोग्रस्त बालिका की कहानी है। चार साल की उम्र में निमोनिया और काला ज्वर की शिकार हो गई। फलतः पैरों में लकवा मार गया। डॉक्टरों ने कहा विल्मा रूडोल्फ अब चल न सकेगी। विल्मा का जन्म टेनेसस के एक दरिद्र परिवार में हुआ था, लेकिन उसकी माँ विचारों की धनी थी। उसने ढाँढस बँधाया, 'नहीं विल्मा तुम भी चल सकती हो, यदि चाहो तो!' विल्मा की इच्छा-शक्ति जाग्रत हुई। उसने डॉक्टरों को चुनौती दी, क्योंकि माँ ने कहा था यदि आदमी को ईश्वर में दृढ़ विश्वास के साथ मेहनत और लगन हो, वह दुनियाँ में कुछ भी कर सकता है।

नौ साल की उम्र में वह उठ बैठी। १३ साल की उम्र में पहली बार एक दौड़ प्रतियोगिता में शामिल हुई, लेकिन हार गई। फिर लगातार तीन प्रतियोगिताओं में हारी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। १५ साल की उम्र में टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी में गई और वहाँ एड टेंपल नामक कोच से मिलकर कहा, 'आप मेरी क्या मदद करेंगे, मैं दुनिया की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हूँ।' कोच टेंपल ने कहा, 'तुम्हारी इस इच्छाशक्ति के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती, मैं तुम्हारी मदद करूँगा।'

१९६० की विश्व-प्रतियोगिता ओलंपिक में वह भाग लेने आई। उसका मुकाबला विश्व की सबसे तेज धाविका जुत्ता हैन से हुआ। कोई सोच नहीं सकता था कि एक अपंग बालिका वायु वेग से दौड़ सकती है। वह दौड़ी और एक, दो, तीन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर १०० मीटर, २०० मीटर तथा ४०० मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।

सीख : व्यक्ति दृढ़ इच्छा शक्ति से सब कुछ कर सकता है। हर सफलता की राह कठिनाइयों के बीच से गुजरती है।

अपने बच्चों में यह आदत डाले...

१. मंदिर लेकर जाइये!
२. तिलक लगाने की आदत डालें!
३. देवी-देवताओं की कहानियां सुनायें!
४. संकट आये, तो नारायण-नारायण बोलें!
५. गलती होने पर 'हे राम' बोलने की आदत डालें!
६. गायत्री मंत्र, हनुमान चालीसा व महामृत्युंजय मंत्र आदि याद करायें!
७. अकबर, हुमांयू, सिकंदर के बदले शिवाजी, महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों की कहानियां सुनायें!
८. घर में छोटे बच्चों से जय श्री कृष्णा, राधे राधे, हरि बोल, जय माता दी, राम राम कहिये, और उनसे भी जवाब में राम-राम बुलवाने की आदत डालिये!

अपने धर्म का ज्ञान हमको ही देना है!

ये कछुआ बहुत खुश है, क्योंकि ये आजाद हो गया। परंतु इस मासूम को ये अंदाजा नहीं कि आजादी के नाम पर इसने खो क्या दिया है? ऐसी ही आजादी आजकल की युवा पीढ़ी को चाहिए। आजादी अपनी संस्कृति से, आजादी संस्कारों से और आजादी अपने बड़ों से। हमारी संस्कृति और संस्कार बोझ नहीं बल्कि हमारा सुरक्षा कवच है।

कदर

एक लड़की अंधी होने की वजह से खुद से बहुत नफरत करती थी। उसे पूरी दुनिया में सिर्फ अपने बॉयफ्रेंड से ही प्यार था। वह अक्सर अपने बॉयफ्रेंड से कहती थी कि अगर वह देख पाती, तो तुरंत उससे शादी कर लेती। एक दिन उस लड़की को किसी ने आँखें डोनेट कर दीं, जिसके बाद वह पूरी दुनिया को देख सकती थी। फिर उसके बॉयफ्रेंड ने उससे पूछा कि अब तो तुम सब कुछ देख सकती हो, तो क्या अब मुझसे शादी करोगी?

लड़की अपने बॉयफ्रेंड को देखकर हैरान हो गई कि उसका बॉयफ्रेंड भी अंधा था। लड़की ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद लड़के ने दुखी मन के साथ उससे कहा- मेरी आँखों का ध्यान रखना और वहाँ से चला गया।

दोस्तों जैसे-जैसे इंसान के हालात बदलते हैं, वैसे-वैसे उनकी सोच भी बदल जाती है। जिन लोगों ने बुरे वक्त में साथ दिया होता है, कई लोग उन्हें भूल जाते हैं। बल्कि, कभी-कभी तो अपनी जिंदगी दूसरों के नाम करने पर भी कोई प्रशंसा नहीं मिलती है। तो जो लोग आपका हमेशा साथ देते हैं, उनकी कदर करना सीखो, उनका आभार करना सीखो। हर किसी को प्यार और केयर करने वाले लोग नहीं मिलते। आपके हालात जितने अच्छे और जितने बेहतर होते चले जाते हैं, आपको उतना ही ज्यादा दयालु बनना चाहिए।

PrraniGanga

दुनिया का पहला ऑनलाइन पशुधन उत्पाद बाजार

www.prraniganga.com

में आपका स्वागत है

मनचाहा ब्रांड किफायती दाम पर घर बैठे पाए ....

* UP TO 40% DISCOUNT

केवल प्राणिगंगा में

* कुछ विशेष उत्पादों के खरीद पर एक पर एक फ्री पाए...

10 लाख + किसानों का भरोसा

70+ ब्रांड्स

120+ फ़ीड

1500+ उत्पाद

एनिमल फीड | मेडिसिन्स | इक्विपमेंट | सर्विसेस

82409 97737 support@prraniganga.com www.prraniganga.com

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का अभिनंदन, स्वागत

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा राँची लोकसभा के माननीय सांसद संजय सेठ, जिन्होंने वर्तमान में भारत सरकार में रक्षा राज्य मंत्री की शपथ ली है, उसका अभिनंदन, स्वागत राँची स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में भव्य रूप से किया गया, इसमें पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष भागचंद पोद्दार, विनय सरावगी, प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल, प्रांतीय उपाध्यक्ष अरुण बुधिया, प्रांतीय महामंत्री रवि शंकर शर्मा, राँची प्रमंडल उपाध्यक्ष शिव शंकर साबू, प्रांत कार्यालय मंत्री श्याम सुंदर शर्मा, परामर्श दात्री कमेटी/समिति के सदस्य और पूर्व सांसद (राज्यसभा) अजय मारू एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २२/२४ के पंचम प्रमंडलीय अधिवेशन, राँची प्रमंडल एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के मौजूदा सत्र की पंचम प्रांतीय कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक २१ जुलाई २०२४, रविवार, को गुरु पूर्णिमा के पावन दिवस पर खूंटी में खूंटी जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में अत्यंत भव्यता के साथ उच्च कोटि के स्वागत-सत्कार के साथ संपन्न हुई।

श्री बसंत मित्तल जी एवं श्री विनय सरावगी जी के साथ ही मंच पर विराजमान खूंटी जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष, महामंत्री, अधिवेशन के संयोजक एवं खूंटी जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अन्य पदाधिकारियों के अलावा प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल जी एवं प्रांत के महामंत्री श्री रविशंकर शर्मा जी के साथ अन्य सम्मानित पदाधिकारी भी विराजमान थे।

आज के झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के इस सत्र के पंचम प्रांतीय अधिवेशन के अवसर पर राँची, खूंटी, सीमडेगा, गुमला, लोहरदगा, देवघर, दुमका, पूर्वी सिंहभूम-जमशेदपुर, पश्चिम सिंहभूम चाईबासा, सार्यकला खरसावां, रामगढ़, गिरिडीह, धनबाद, पलामू से जिला अध्यक्षों एवं महामंत्रियों के अलावा भारी संख्या में मारवाड़ी समाज व सम्मेलन के विभिन्न जिलों से आदरणीय बंधुओं का आगमन हुआ, जिनकी महत्वपूर्ण उपस्थिति से यह अधिवेशन गौरान्वित हुआ। समाज सुधार के अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर मंच से विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे। समाज का ओर किस तरह बेहतर रूप से सर्वांगीण विकास हो उस पर गहन विचार विमर्श ओर चर्चा हुई, एवं समाज के जरुरतमंदों के लिए बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए भागीरथ प्रयास करने का निर्णय हुआ। वंही इन दिनों समाज के अंदर बढ़ती कुरुतियों को दूर करने के लिए कमर कस कर काम करने का सभी से आह्वान किया गया। सम्मेलन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले सदस्यों को वर्ष २२/२३ के लिए अध्यक्षीय प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिये गये।

प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन अपने सदस्यों को करेगा सम्मानित

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन सत्र २०२२-२४ के १ वर्ष पूर्ण होने पर अपने सदस्यों को सम्मानित करेगा। प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल ने बताया कि सम्मान देने से कार्य करने वालों की ऊर्जा में वृद्धि होती है और उन्हें कार्य करने में संबल मिलता है एवं दूसरों को कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। सम्मान प्राप्त करने वाले इस प्रकार हैं – सर्वश्रेष्ठ पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय पदाधिकारी, मार्गदर्शक, संरक्षक विनय सरावगी, परामर्श दाता अजय मारु (पूर्व सांसद, राज्यसभा), महेश पोद्दार (पूर्व सांसद राज्यसभा), प्रांतीय उपाध्यक्ष शिवहरि बंका, ओम प्रकाश रिगसिया (जमशेदपुर), सर्वश्रेष्ठ पदाधिकारी - प्रांतीय महामंत्री रवि शंकर शर्मा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष राहुल मारू, प्रांतीय संयुक्त महामंत्री दीपक पारीक (जमशेदपुर), सौरभ सरावगी (राँची), प्रमंडलीय उपाध्यक्ष अशोक जैन पांड्या (गिरिडीह), शिव कुमार सर्राफ (देवघर), प्रमंडलीय मंत्री राजेंद्र कुमार मेहरिया (दुमका), विमल कुमार बुधिया (रामगढ़), सर्वश्रेष्ठ जिला अध्यक्ष – श्रवण केडिया (गिरिडीह जिला अध्यक्ष), श्याम सुंदर जैन (बोकारो जिला अध्यक्ष), कैलाश प्रसाद वर्मा (दुमका जिला अध्यक्ष), सर्वश्रेष्ठ जिला कार्यक्रम – पूर्व सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन, देवघर जिला मारवाड़ी सम्मेलन, सर्वश्रेष्ठ सदस्यता अभियान गिरिडीह जिला, धनबाद जिला, पूर्वी सिंहभूम जिला, सर्वश्रेष्ठ जिला मंत्री ललित झुनझुनवाला (धनबाद), कमल कुमार लाठ (चाईबासा), बिगन कुमार टिबड़ेवाल (चतरा), सर्वश्रेष्ठ शाखा पुरस्कार – साकची, जुगसलाई (पूर्वी सिंहभूम), मधुपुर (देवघर), बेरमो (बोकारो), रामगढ़ (रामगढ़) इसके अलावा अध्यक्षीय प्रोत्साहन पुरस्कार श्याम सुंदर शर्मा (कार्यालय मंत्री राँची), मनीष लोधा (कार्यालय प्रबंधक राँची), राजेश कौशिक (सदस्यता संयोजक, राँची), किशन कुमार अग्रवाल (सदस्यता वृद्धि), प्रदीप चौधरी (सरायकेला खरसावां), प्रमंडलीय अधिवेशन कार्यक्रम संयोजक प्रदीप डोकानिया (गिरिडीह), अंजय कुमार अग्रवाल (रामगढ़), विनोद सिंघानिया (दुमका और रमेश चौमाल (चाईबासा)।

शाखा समाचार : बलांगीर

संजय अग्रवाल ने ली अध्यक्ष पद की शपथ

शपथ ग्रहण समारोह में मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारी

स्थानीय सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने अध्यक्ष पद की शपथ ली। उनके साथ मोहन अग्रवाल ने कार्यकारी अध्यक्ष, गजानन अग्रवाल ने महासचिव पद की शपथ ली। मारवाड़ी सम्मेलन के भूतपूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नकुल अग्रवाल ने शपथ पाठ कराया। निवर्तमान अध्यक्ष मनोज जैन ने संजय अग्रवाल को दायित्व हस्तांतरण करते हुए नई टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा की मेरे छोटे भाई संजय को मारवाड़ी सम्मेलन जैसे समाज के महत्वपूर्ण संस्थान के अध्यक्ष पद के आसन पर देख खुशी हो रही है। वे एक कर्मठ कार्यकर्ता हैं। कार्यकारी अध्यक्ष मोहन अग्रवाल ने भी नए पद की गरिमा को समझाते हुए समाज सेवा के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने, समाज को नई गति, दिशा तथा दिग्दर्शन देने, अधनिकता की अंधी दौड़ में समाज में व्याप्त हो रही कुरीतियों को दूर करने का प्रयास करने का भरोसा दिया।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

सिलीगुड़ी शाखा ने सीआरपीएफ कैंप में किया वृक्षारोपण

पौधरोपण के बाद डीआईजी विजय कुमार को सम्मानित करते मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सिलीगुड़ी (पबंप्रामासं) शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण के तहत एक वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिलीगुड़ी शहर के निकट कावाखाली क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) मुख्यालय में १००० पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में सीआरपीएफ के डीआईजी विजय कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विजय कुमार के सम्मान में गुलदस्ता, खादा और स्मृति चिह्न भेंट कर की गई। डीआईजी के साथ-साथ बड़ी संख्या में कमान्डेंट, सुपरिटेंडेंट, जवान और महिला जवान भी इस नेक कार्य में शामिल हुए और अपना योगदान किये। कार्यक्रम के संयोजक मनोज शर्मा, अतुल झंवर, संपतमल संचेती, जयसिंह कुण्डलिया, बजरंग सेठिया, विष्णु केडिया, अशोक अग्रवाल, विजय अग्रवाल, और हनुमान डालमिया ने अपना अमूल्य सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। डीआईजी ने इस अवसर पर कहा कि यदि किसी के पास जमीन हो और वे वृक्षारोपण में सहयोग चाहते हैं, तो वे पूरी तरह से सहयोग करने और आइडिया देने के लिए तैयार हैं। क्योंकि धरती को बढ़ते प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए एक मात्र साधन है पौध रोपण। हम अपने आसपास अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, ताकि पर्यावरण का संतुलन लगातार बना रहे।

प्रांतीय समाचार : कटक, उत्कल

त्रिदिवसीय रथयात्रा सेवा शिविर

भगवान श्री जगन्नाथ की पवित्र रथयात्रा पर पुरी में त्रिदिवसीय रथयात्रा सेवा शिविर की शुरुआत पर एक विशाल भजन समारोह, कटक के सुप्रसिद्ध भजन प्रवाहक दिनेश जोशी, निर्मल पुर्वा, सुनील सांगानेरिया, कमल वशिष्ठ, यशवंत चौधरी, अंजनी कुमार बाणपुरिया, प्रकाश हलवासिया द्वारा विगत वर्षों की तरह किया गया। ७ जुलाई एवं ८ जुलाई को विशाल रथयात्रा सेवा शिविर में करीब ३०-३५ हजार प्रभु भक्तों के लिए उपमा, घुघुनी, भात, दालमा, खट्टा, खीर, हलुआ, शीतल पेय जल, दही, पानी, नींबू पानी, शर्बत, पैकैट जूस, ओआरएस, बिस्कुट आदि की व्यवस्था सम्मेलन द्वारा निःशुल्क किया गया। कटक शाखा के अध्यक्ष दिनेश जोशी ने विस्तार से शिविर की जानकारी दी। सम्मेलन के सचिव सुभाष केडिया ने जानकारी दी कि सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम में अपना सहयोग दिया। जनसंपर्क अधिकारी निर्मल पुर्वा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी को रथयात्रा महोत्सव की शुभकामना दीं। इस अवसर पर कटक शाखाध्यक्ष दिनेश जोशी, सचिव सुभाष केडिया, पूर्व अध्यक्ष सुरेश कमानी, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य गणेश प्रसाद कंदोई, पद्म भावसिंहका, मदनलाल कांवटिया, गुलजारी लाल लढाणिया, उपाध्यक्ष राजकुमार सुल्तानिया, अशोक चौबे (चंडी भाई), बिनोद कांवटिया, राजकुमार शर्मा, रमेश चौधरी (राजू), पवन चौधरी, कमल अग्रवाल, मीडिया प्रभारी रविशंकर शर्मा, विनोद अग्रवाल (मुन्ना) और सुरेंद्र वर्मा आदि अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

समाचार सार

तिनसुकिया में दिन में सात फेरे लेने वालों की समाज ने की सराहना

तिनसुकिया के अरोमा होटल में आज संपन्न एक विवाह में तिनसुकिया मारवाड़ी समाज के कुछ बंधुओं द्वारा वर वधू के अभिभावकों का फुलाम गमछा पहना कर सम्मान किया गया। सर्वप्रथम सत्यनारायण सारडा ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए दिन में विवाह करने के लिए नव दंपति पुनीत और रौशनी को शुभकामना और आशीर्वाद प्रदान करते हुए दिन में विवाह करने के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दिन में विवाह करने से रात्रि में होने वाले कई अनर्गल खर्चों से बचा जा सकता हैं। वहीं रामजीवन सुरेका ने पुनीत की दादी गीतादेवी एवं हीरालाल शर्मा ने रौशनी के पिता पुरषोत्तम अग्रवाल का फुलाम गमछा से सम्मान किया। सुरेका ने अपने वक्तव्य में आशा जताई कि समाजबंधु इस विवाह से प्रेरणा लेकर दिन में विवाह आदि समारोह करने पर विचार करेंगे। इस मौके पर बड़ी संख्या में मातृ शक्ति के अलावा वकील बद्री अग्रवाल (हिजुगुड़ी), कन्ता प्रसाद सराफ, अशोक वोरावाला, डॉक्टर सुशील अग्रवाल, मनोज रासिवासिया, गोपाल साहू, गुलाब अग्रवाल, संतकुमार जालान, अंकित अग्रवाल, सुशील अग्रवाल (चबुआ), विकास मंढानिया (दुमदुमा) आदि समाज बंधुओं ने इस कार्यक्रम की सराहना की।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

प्रांतीय पदाधिकारियों का दौरा

११ जुलाई प्रांतीय महामंत्री श्री सुभाष अग्रवाल रुपरा रोड, जोनल उपाध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल राजखारियार एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सत्यनारायण अग्रवाल जी द्वारा कांटाबाँजी जोन के बंगोमुंडा शाखा का दौरा किया गया। उक्त दौरे के माध्यम से समाज के सभी सदस्यों को सम्मेलन से जोड़ने हेतु आग्रह किया गया एवं सदस्यता वृद्धि हेतु सदस्यता फार्म देकर नए आजीवन सदस्य बनाने का आग्रह किया। संगठन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। दौरे के फलस्वरूप बंगोमुंडा शाखा में एक उत्साह का सृजन हुआ।

उपलब्धियाँ

मारवाड़ी सम्मेलन के वरिष्ठ श्री ललन कुमार सर्राफ के बिहार विधान परिषद में उप नेता बनने पर सहृदय बधाई एवं शुभकामनाएँ।

दिल्ली प्रा. मा. सम्मेलन के प्रां. अध्यक्ष श्री लक्ष्मी पत भुतोड़िया को श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा पीतमपुरा का वर्ष २०२४-२६ हेतु अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

आदरणीय विदुषी साध्वी श्री अणिमा श्री जी की उपस्थिति में शपथ समारोह ३०-०६-२४ को श्री सरस्वती मंदिर, सरस्वती विहार में आयोजित किया गया।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कटिहार जिला अंतर्गत सोनैली शाखा के आजीवन सदस्य श्री अशोक बंका - श्रीमती रेशमी बंका की सुपुत्री आशना बंका का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक के लिए चयन हुआ है। मारवाड़ी समाज की इस उभरती हुई प्रतिभा को बहुत-बहुत बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ!

विज्ञता मुंदड़ा को सीसीआरटी छात्रवृत्ति मिली

विज्ञता मुंदड़ा को सीसीआरटी छात्रवृत्ति मिली है। उसे भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत स्वायत्त संस्थान, संस्कृति और संसाधन प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) की संस्कृति प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना २०२४-२५ में सत्रीया नृत्य में जूनियर छात्रवृत्ति के लिए चुना गया है। वह गुवाहाटी निवासी आदित्य-शिल्पा मुंदड़ा की बेटी है। वह गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित डीपीएस कक्षा ८ की छात्रा है।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन ने मनोनीत किया राष्ट्रीय संगठन मंत्री

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल को अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन का राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र के अस्तित्व पर संदेह नहीं किया जा सकता : सौगत राय
संयुक्त राष्ट्रसंघ का कोई विकल्प नहीं : सीताराम शर्मा

संयुक्त राष्ट्रसंघ ने बदलते समय के साथ अपने अस्तित्व के महत्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साबित किया है। राष्ट्रसंघ ने अपनी संप्रभुता के विचार को बरकरार रखा है; जैसा कि इसके सदस्यों की बढ़ती संख्या जो ४५ से बढ़कर आज १९३ है, में देखा जा सकता है। हालाँकि, संयुक्त राष्ट्र को उम्मीदों के संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके ऊँचे आदर्शों को न तो पूरी तरह से प्राप्त किया जा सकता है और न ही छोड़ा जा सकता है। फिर भी संयुक्त राष्ट्र के अस्तित्व और महत्व पर कभी संदेह नहीं किया जा सकता। इसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सभी देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय संबंधों की आधारशिला के रूप में स्वीकार किया जाता है। ये वक्तव्य हैं पश्चिम बंगाल के माननीय सांसद एवं वेबफूना के अध्यक्ष श्री सौगत राय के, जो उन्होंने सीताराम शर्मा की पुस्तक 'यूनाइटेड नेशंस : अ जर्नी फ्रॉम होप टू डेस्पेयर' का विमोचन करते हुए व्यक्त किए। श्री शर्मा के बारे में बोलते हुए श्री राय ने कहा कि सीताराम शर्मा ने अपनी पुस्तकों के माध्यम से एवं गत पाँच दशकों से विभिन्न पदों पर रहते हुए संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों और उद्देश्यों के प्रति जागरूकता बढ़ायी है। उनकी पुस्तक 'यूएन : एन एंथोलॉजी' संयुक्त राष्ट्र को क्षेत्रीय और वैश्विक, दोनों स्तरों पर जनता के करीब लाने के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है। यह रचना विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच संयुक्त राष्ट्र की समझ को गहरा करने और इसके लिए समर्थन प्राप्त करने में योगदान देगा। कार्यक्रम का आयोजन वेस्ट बंगाल फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस एसोसिएशन वेबफूना के सौजन्य से विगत १४ जून २०२४ को हो ची मिन्ह सरणी, कोलकाता स्थित आईसीसीआर में हुआ।

मुख्य वक्ताओं में रिटायर्ड एयर चीफ मार्शल अरूप राहा, जादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व उप कुलपति प्रो. सुरंजन दास, कोलकाता में अमेरिकन सेंटर की निदेशक एलिजाबेथ ली, एलायंस फ्रेंचाइजे फ्रांस के निदेशक निकोलस फसीनो, जापान के उप महावाणिज्यदूत गतसुतारो यागासाकी एवं वरिष्ठ पत्रकार अदिति राय घटक थे। अपने वक्तव्य में एयर चीफ मार्शल अरूप राहा ने कहा कि पुस्तक का विषय बिलकुल सटीक है। संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता आज कम होती जा रही है। इसे अपनी जमीनी हकीकत को समझने एवं इसे दूर करने की आवश्यकता है। आज संयुक्त राष्ट्र की जगह दूसरे सामानांतर संगठन अपना वर्चस्व स्थापित कर रहे हैं। प्रो. सुरंजन दास ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र से संबंधित मुद्दों पर भाषणों और बयानों का यह संकलन शिक्षाविदों और सामान्य पाठकों के लिए सबसे उपयोगी है। यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में सुधार के लिए चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डालता है। साथ ही यह स्वीकार करता है कि सफलता प्राप्त करना एक लंबा और कठिन कार्य होगा, जो निकट भविष्य में राजनयिकों और कार्यकर्ताओं को व्यस्त रखेगा।

सीताराम शर्मा ने अपने वक्तव्य में बताया कि पुस्तक का शीर्षक 'आशा से निराशा तक का सफर' ने अपने आप में कई प्रश्न उठाए। मेरे कुछ मित्र निराशा शब्द से खुश नहीं थे, लेकिन तथ्य यह है कि संयुक्त राष्ट्र को अक्सर अपने काम के बारे में अपर्याप्त सार्वजनिक ज्ञान और जागरूकता से गंभीर नुकसान उठाना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र की कसौटी का परीक्षण संघर्षों, मानवीय संकटों और अशांत अंतरराष्ट्रीय हालातों द्वारा किया गया है। फिर भी यह जीवित है और इसने दुनिया भर के लोगों के लिए बहुत कुछ हासिल भी किया है। हालाँकि, कुछ मामलों में संयुक्त राष्ट्र हमारे समय की बदलती वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाने में विफल रहा है और निश्चित रूप से कई बड़ी बाधाएँ और आलोचनाएँ हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र को अभी भी दूर करना बाकी है। पूरे शीतयुद्ध काल के दौरान इसे कार्य करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। आज संयुक्त राष्ट्र स्वयं को एक महत्वपूर्ण दहलीज पर खड़ा पाता है। ७९वीं वर्षगांठ मना रहे राष्ट्रसंघ के सामने अस्तित्व का कोई संकट अभी तो नहीं है, लेकिन सदस्यों के बीच बढ़ते मतभेद के कारण चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एकजुट नहीं हो पा रहा है। राष्ट्रसंघ के महत्व एवं विश्वसनीयता में कमी आई है। विश्व-शांति एवं सुरक्षा की नई चुनौतियों का मुकाबला राष्ट्रसंघ सदस्य-देशों के बीच आम राय बनाकर ही कर सकता है। सुरक्षा परिषद के पुनर्गठन की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि इसका वर्तमान स्वरूप आज के अंतरराष्ट्रीय यथार्थ का द्योतक नहीं है। कई देशों का मानना है कि सुरक्षा परिषद का इस्तेमाल कुछ बड़े ताकतवर देशों के हितों के लिए किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र का इतिहास आज तक कुछ शक्तिशाली देशों की इसके संस्थागत ढांचे और नीति पर जबरदस्त प्रभाव डालने की क्षमता से चिह्नित है। श्री शर्मा ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र के स्थान पर किसी नई संस्था या प्रणाली को लाने का कोई भी प्रस्ताव अवास्तविक है। संयुक्त राष्ट्र का कोई विकल्प नहीं है। सच तो यह है कि यदि विश्व विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिए इच्छुक नहीं है, तो यह एक और सार्थक संस्था बनाने का प्रयास भी नहीं करेगा। मूलतः राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और दूरदर्शी नेतृत्व इसके परिवर्तन में मुख्य बाधाएं हैं।

वरिष्ठ पत्रकार अदिति राय घटक ने पुस्तक को प्रेरणा का स्रोत बताया। अमेरिकन सेंटर की डायरेक्टर एलिजाबेथ ली, अलायंस फ्रेंचाइजे के डायरेक्टर निकोलस फसीनो एवं जापान के उप महावाणिज्यदूत मतसुतारो यामासाकी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन वेबफूना के प्रधान सचिव डॉ. राहुल वर्मा ने किया।

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste with Good Health
FruitBix
Original Taste of Bakery
dream LITE
Marie Plus
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
For your comments, complaints and trade related queries write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:
BISCUITS

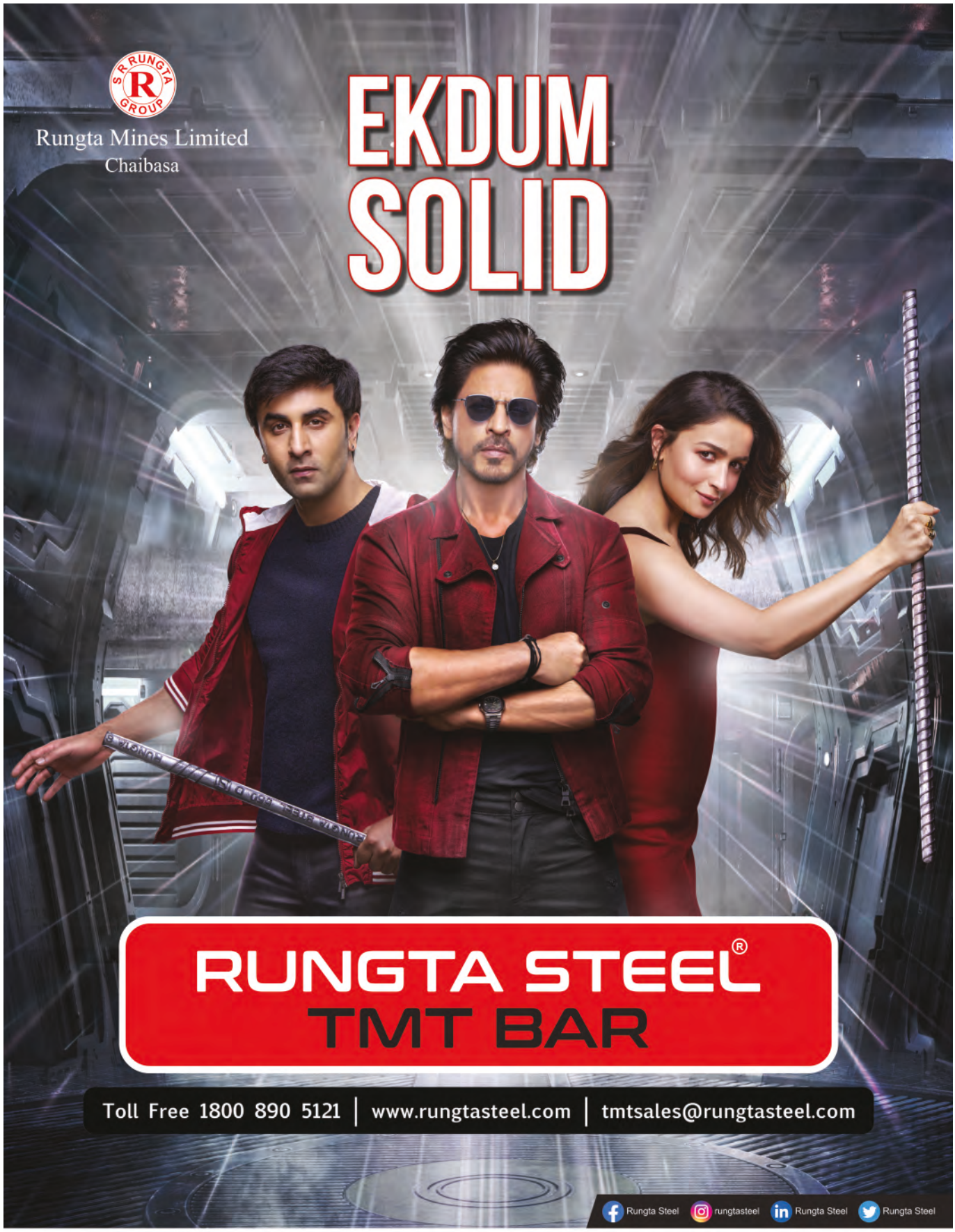

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

समाचार सार

"प्रार्थना - आराधना - साधना" भक्ति पुस्तिका का लोकार्पण

समाजसेवी भानीराम सुरेका द्वारा संकलित एवं संपादित भक्ति गीतों के संग्रह "प्रार्थना - आराधना - साधना" का लोकार्पण सुप्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित मालीराम शास्त्री की उपस्थिति में पद्मश्री प्रहलाद राय अग्रवाल सहित कोलकाता के स्थापित उद्योगपतियों के हाथों भव्य समारोह में हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर परिवहन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी "रोडविंग्स इंटरनेशनल" के इकतालीसवें स्थापना दिवस पर यह समारोह आयोजित किया गया था।

अपने संबोधन में श्री शास्त्री ने कहा कि शून्य से शिखर की ओर सफर करते हुए आजकल लोग अपनी संस्कृति और संस्कार को तिलांजलि देकर अपसंस्कृति की राह पर चल पड़ते हैं, जबकि सनातन हिन्दू परंपरा में अपनी संस्कृति और संस्कार को अक्षुण्ण रखते हुए नवीन अवधारणाओं को तर्कसंगत दृष्टि से ग्रहण करने की बात कही गई है।

पद्मश्री प्रह्लाद राय अग्रवाल ने कहा कि उद्यमिता और सामाजिकता का संतुलन बनाए रखकर जीवन जीने का अपना आनंद है। भानीराम सुरेका ने उद्यमिता के क्षेत्र में एक मुकाम हासिल किया है साथ ही अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सहित दर्जनों सामाजिक - सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़कर अपनी अतुलनीय सेवाएं दी हैं।

इस अवसर पर राम, कृष्ण और माता - पिता को कन्द्रित कर एक भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसका उपस्थित लोगों ने खूब लुत्फ उठाया। समारोह में उद्योग एवं सामाजिक जगत के महत्वपूर्ण व्यक्ति भारी संख्या में मौजूद थे। इनमें सर्वश्री नंदलाल रूंगटा, हरि प्रसाद बुधिया, दयानंद आर्य, घनश्याम दास शोभासरिया, कुंजबिहारी अग्रवाल, प्रवीर गर्ग, विश्वनाथ सुरेका, प्रमोद गुप्ता, संतोष सराफ, शिव कुमार लोहिया, दिनेश कुमार जैन, नरेश अग्रवाल, पुरूषोत्तम अग्रवाल, कृष्ण कुमार सिंघानिया, नंदलाल सिंघानिया, पंडित विजय सोनकर शास्त्री, जगमोहन बागला, विनोद सराफ, किशन अग्रवाल, श्रवण कुमार सुरेका, संजय सुरेका, संजय आर्य, विशाल सुरेका व संजय हरलालका आदि प्रमुख थे। कार्यक्रम का संचालन सुशील चौधरी और विष्णु सुरेका ने किया।

सम्मेलन समाचार

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल बेंगलुरू स्थित मणिपाल हॉस्पिटल के मुख्यालय में शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। चित्र में मणिपाल हॉस्पिटल के मुख्य शीर्ष पदाधिकारी श्री कार्तिक राजगोपाल, श्री मधुर गोपाल एवं श्री संजय, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता एवं स्वास्थ्य उप समिति के अध्यक्ष श्री अनिल मलावत परिलक्षित हैं।

समाचार सार

मरूभूमि शोध संस्थान, श्रीडूंगरगढ़ के नये पुरस्कार

राजस्थानी महिला लेखन और संस्थान, श्रीडूंगरगढ़ द्वारा प्रारंभ किये गये नये सम्मान 'श्री सूर्य प्रकाश बिस्सा स्मृति राजस्थानी महिला लेखन सम्मान' और 'कला-डूंगर कल्याणी स्मृति राजस्थानी बाल साहित्य' सम्मान के लिए साहित्यिक विधाओं की मौलिक और अप्रकाशित पाडुलिपियां आमंत्रित की गई हैं। इस आशय की जानकारी देते हुए संस्थान के सचिव श्याम महर्षि ने बताया कि राजस्थानी भाषा के विकास, प्रचार-प्रसार, साहित्यिक पाठकीय जुड़ाव और महिला लेखन व बाल साहित्य को मुकम्मल प्रोत्साहन सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष से ये दो नये सम्मान प्रायोगिक तौर पर प्रारम्भ किये गये हैं। सम्मान समिति के संयोजक रवि पुरोहित ने बताया कि इस सम्मान हेतु केवल मौलिक और अप्रकाशित साहित्यिक पांडुलिपियां ही विचारार्थ भेजी जा सकती हैं। महिला लेखन सम्मान हेतु ९६ से १२८ पृष्ठ तक की और बाल साहित्य सम्मान हेतु ६४ से ७२ पृष्ठ तक के साहित्य की किसी भी विधा में पांडुलिपि विचारार्थ भिजवाई जा सकती है। पांडुलिपियां स्पष्ट टंकित रूप में होनी चाहिए और इसकी एक प्रति मय ई मेल साफ्ट प्रति ३० सितम्बर, २०२४ तक सचिव, मरूभूमि शोध संस्थान, संस्कृति भवन, एन. एच.११, जयपुर रोड, श्रीडूंगरगढ (राजस्थान)-३३१८०३ के पते पर पहुँच जानी चाहिए। चयनित रचनाकार की पांडुलिपि संस्थान द्वारा नि:शुल्क प्रकाशित करवा कर मातृभाषा दिवस पर लोकार्पित करवाई जाएगी और इसके लेखक को इसी दिन संस्था द्वारा आयोज्य समारोह में सम्मान के साथ प्रकाशित कृति की ४१ प्रतियां अर्पित की जायेंगी। योजना के तहत प्रकाशित कृतियों पर जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय तथा अन्य संस्थाओं के सहयोग से प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर चर्चा कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे, जिनमें महिलाओं और बच्चों को खास तौर पर जोड़ा जाएगा।

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : अंगुल

रमेश चंद्र साहा

रमेश चंद्र साहा, श्री रामगोपाल साहा और स्वर्गीय अमरावती देवी के सुपुत्र हैं। श्री साहा का जन्म १६ मई १९६५ को हुआ। आपका विवाह ०५ जुलाई १९९१ को सुधा साहा से हुआ। आपका औद्योगिक इंजीनियरिंग वस्तुओं से संबंधित व्यावसायिक संगठन है, जिसके कार्यालय अंगुल, भुवनेश्वर, झारसुगुड़ा और कलिंग नगर में हैं। आप लायंस क्लब, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एसोसिएशन (CAIT), अंगुल गौशाला जैसे विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं। लगातार तीन वर्षों तक अंगुल के लायंस क्लब के अध्यक्ष के रूप में आपने कार्य किया है। विभिन्न सामाजिक संगठनों से अंगुल के सर्वश्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में आप पुरस्कृत हो चुके हैं। वर्तमान में आप उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की अंगुल शाखा के अध्यक्ष और सीएआईटी के अध्यक्ष हैं।

शाखा : तितावर

नारायण गट्टानी

नारायण गट्टानी, आयु ६२ वर्ष, तितावर निवासी पुत्र स्वर्गीय झूमरलाल जी गट्टानी व श्रीमती गीता देवी गट्टानी। कर्म स्थान : , जिला : जोरहाट, असम। परिवार में पत्नी सरोज देवी गट्टानी, एक बेटा निकेश गट्टानी और एक बेटी कल्पना राठी गट्टानी है। मेरा जन्मस्थान : नोखा (राजस्थान) है। प्रारंभिक शिक्षा नोखा हाईस्कूल से हुई और बीकानेर जैन कॉलेज से १९८३ में बीकॉम पास किया। प्रोफेशन : व्यापारिक प्रतिष्ठान मेसर्स गट्टानी राइस एंड फ्लोर मिल। वर्तमान में मैं तितावर चैम्बर ऑफ कॉमर्स और मारवाड़ी तुकहाड़ी में कोषाध्यक्ष, अखिल भारतीय माहेश्वरी कार्यमण्डल का सदस्य तथा मारवाड़ी सम्मेलन तितावर शाखा का अध्यक्ष हूँ।

विनम्र निवेदन

हम सभी जानते हैं कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अनेक क्षेत्रों में फैला हुआ है। विगत ८९ वर्षों में इसने अपनी भूमिका प्रभावी तरीके से निभाई है। १९३५ से लेकर अब तक असंख्य कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन में अपने लगन एवं निष्ठा द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिनके अवदानों के बिना सम्मेलन की स्थिति वह नहीं हो सकती थी, जो आज है।

सम्मेलन की ओर से एक प्रयास किया जा रहा है कि विभिन्न प्रांतों में सम्मेलन के जिन भूतपूर्व एवं वर्तमान कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन के विस्तार में समर्पित भाव से उल्लेखनीय भूमिका निभाई है, उनके अवदानों को हम समाज विकास में प्रकाशित करें।

अत: आपसे अनुरोध है कि इस विषय में हमें आवश्यक जानकारी फोटो सहित प्रेषित करने की कृपा करें।

सम्मेलन मंच

वैवाहिक जीवन में क्लेश : कारण और समाधान

उपर्युक्त विषय पर प्राप्त प्रविष्टियों में निम्नलिखित छह प्रविष्टियाँ पुरस्कृत होगा:

प्रथम पुरस्कार

१. श्री मनोज शर्मा (सिलीगुड़ी)
२. श्रीमती संगीता बैद (गुवाहाटी)

द्वितीय पुरस्कार

१. श्रीमती/सुश्री दूधवेवाला (कोलकाता)
२. श्रीमती/सुश्री सरोज दूगड़ (खारुपेटिया)

तृतीय पुरस्कार

१. डॉ. अजय कुमार अग्रवाल (गुवाहाटी)
२. श्री राजेंद्र गोयनका (दिल्ली)

उपर्युक्त पुरस्कृत विचारों के साथ-साथ श्री दिलीप केजरीवाल (चक्रधरपुर), श्रीमती शशि लाहोटी (कोलकाता), श्रीमती नम्रता माहेश्वरी (पाली), श्रीमती/सुश्री निशा काबरा (देरगाँव), श्री निखिल कुमार मूँधड़ा (होजाई), श्रीमती मंजुला जैन (बंगाईगाँव), श्री अशोक अग्रवाल (सिलीगुड़ी) एवं डॉ. एस. के. पंसारी (खगड़िया) द्वारा व्यक्त विचार भी प्रशंसनीय हैं।

वैवाहिक जीवन में क्लेश और तलाक: कारण और समाधान पर हमें इनके भी लेख प्राप्त हुए थे।

श्री अशोक नागोरी - असम
श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा - पश्चिम बंगाल
श्री कृष्ण कन्हैया गोयल - छत्तीसगढ़
श्रीमती मनीषा अग्रवाल - बैंगलुरु
श्री प्रवीण जैन - असम
श्री राजेश कुमार बजाज - बिहार
श्री राजीव कुमार अग्रवाल (बिलोटिया) - पश्चिम बंगाल
श्री भंवरलाल बोहरा - असम
श्री विष्णु कुमार शर्मा - बिहार
श्रीमती राखी अग्रवाल - ओडिशा
श्रीमती उषा चूड़ीवाल - असम
श्रीमती राखी भंसाली - असम
श्रीमती मंजू टेकरीवाल - बिहार
शुभकामनाओं सहित...

– संपादक, समाज विकास

सम्मेलन मंच जून २०२४

'एक जागरूक नागरिक के रूप में नव गठित सरकार से हमारी अपेक्षाएँ' विषय पर प्राप्त विचारों में निम्नलिखित पाँच प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाता है:

१. मुकेश मित्तल, पूर्वी सिंहभूम
१. अदिति, वाराणसी
२. अजय कुमार अग्रवाल, गुवाहाटी
३. आशीष चौधरी, बलांगीर
३. निखिल कुमार मूँदड़ा, होजाई

इनके अतिरिक्त श्रीमती संगीता बैद, श्री विष्णु कुमार शर्मा, अभिलेखा बैद, श्रीमती मंजुला जैन, श्री विनोद कुमार लोहिया, श्री गोविंद अग्रवाल, श्री सुरेश बजाज तथा श्री ओम प्रकाश अग्रवाल के विचार भी प्रशंसनीय रहे।

वैवाहिक जीवन मे क्लेश एवं तलाक

मारवाड़ी समाज में वैवाहिक जीवन में क्लेश और तलाक़ की बढ़ती संख्या: कारण और समाधान

मारवाड़ी समाज में वैवाहिक जीवन में क्लेश और तलाक़ की बढ़ती संख्या एक गहरी और जटिल समस्या बनती जा रही है। यह समस्या कई कारणों से उत्पन्न हो रही है, जिनमें आधुनिक जीवनशैली और पारंपरिक मूल्यों के बीच टकराव प्रमुख है। इस लेख में मैं उन महत्वपूर्ण कारणों का विश्लेषण करने जा रहा हूँ और उनके समाधान के उपाय सुझाना चाहता हूँ।

महत्वपूर्ण कारण

१. भावनात्मक असंतोष :

मारवाड़ी समाज में विवाह का आयोजन अक्सर परिवारों के बीच गठबंधन के रूप में देखा जाता है, जिसमें भावनात्मक जुड़ाव को नजरअंदाज किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप, दंपतियों के बीच भावनात्मक असंतोष उत्पन्न होता है, जो क्लेश का कारण बनता है।

२. आधुनिक और पारंपरिक मूल्यों का टकराव :

आज की युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं और स्वतंत्रता को प्राथमिकता देती है, जबकि बड़े-बुजुर्ग पारंपरिक अपेक्षाओं को महत्व देते हैं। इस टकराव के कारण दंपतियों के बीच तनाव और विवाद बढ़ते हैं।

३. संवाद में कमी :

परिवारों में बड़े-बुजुर्गों का हस्तक्षेप अधिक होने के कारण दंपतियों के बीच स्वतंत्र संवाद की कमी हो जाती है। इस स्थिति में वे अपनी समस्याओं को खुलकर साझा नहीं कर पाते, जिससे गलतफहमियां और विवाद उत्पन्न होते हैं।

४. घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना :

घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना भी तलाक के प्रमुख कारणों में से हैं। ये समस्याएं वैवाहिक जीवन को असहनीय बना देती हैं और तलाक की नौबत ला देती हैं।

५. आर्थिक अस्थिरता :

व्यापारिक समाज होने के नाते आर्थिक अस्थिरता का सीधा असर पारिवारिक जीवन पर पड़ता है। व्यापार में हानि या वित्तीय संकट के कारण दंपतियों के बीच तनाव और विवाद बढ़ते हैं, जिससे तलाक की नौबत आ जाती है।

६. मानसिक स्वास्थ्य :

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ, जैसे अवसाद, चिंता और तनाव भी तलाक के पीछे एक बड़ा कारण हो सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान न देने के कारण समस्याएँ बढ़ जाती हैं और वैवाहिक जीवन में दरार आ जाती है।

७. सांस्कृतिक बदलाव :

समाज में तेजी से हो रहे सांस्कृतिक बदलाव भी एक महत्वपूर्ण कारण है। पारंपरिक और आधुनिक जीवनशैली के बीच सामंजस्य न बिठा पाने के कारण दंपतियों के बीच मतभेद बढ़ जाते हैं।

८. बच्चों की विदेशी शिक्षा और सोशल मीडिया का प्रभाव :

बच्चों का उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना और वहाँ की स्वतंत्र जीवनशैली को अपनाना, साथ ही सोशल मीडिया का प्रभाव, उनके सोच और व्यवहार में बदलाव लाता है। यह बदलाव पारंपरिक समाज में सामंजस्य बिठाने में कठिनाई पैदा करता है।

९. तकनीकी और डिजिटल डिवाइस का अत्यधिक उपयोग :

मोबाइल फोन और सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग वैवाहिक संबंधों में बाधा उत्पन्न कर रहा है। पति-पत्नी के बीच व्यक्तिगत बातचीत और समय बिताने में कमी होती जा रही है। इससे असंतोष और दूरी बढ़ती है।

१०. कार्य जीवन का असंतुलन :

पेशेवर जीवन की बढ़ती मांग के कारण पति-पत्नी को एक-दूसरे के साथ पर्याप्त समय बिताने का मौका नहीं मिलता। कार्य-जीवन में इसतरह का असंतुलन वैवाहिक जीवन में तनाव का बड़ा कारण बन रहा है।

समाधान

१. पेशेवर परामर्श :

वैवाहिक परामर्श सेवाओं का उपयोग करना दंपतियों को उनकी समस्याओं को समझने और समाधान निकालने में मदद कर सकता है।

२. परिवारिक शिक्षा :

परिवारों को पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के बीच सामंजस्य बिठाने की शिक्षा दी जानी चाहिए। इससे वे बदलते समय के साथ तालमेल बिठा सकेंगे और दंपतियों के बीच विवाद को कम कर सकेंगे।

३. मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान :

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। यह दंपतियों को मानसिक तनाव से निपटने में मदद करेगा और वैवाहिक जीवन को संतुलित बनाएगा।

४. आर्थिक योजना :

आर्थिक तनाव को कम करने के लिए वित्तीय योजना और पारिवारिक सहयोग की आवश्यकता है। व्यापारिक असफलताओं के समय परिवार को एकजुट होकर समर्थन प्रदान करना चाहिए।

५. महिला सशक्तीकरण :

महिलाओं में शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देना चाहिए। इससे वे अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक हो सकेंगी और वैवाहिक जीवन में संतुलन और सम्मान भी बना रहेगा।

६. सोशल मीडिया और सांस्कृतिक सामंजस्य :

बच्चों को सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के बारे में जागरूक करना चाहिए। साथ ही, विदेश में शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों को अपने पारंपरिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाये रखना आवश्यक है।

७. तकनीकी के उपयोग को लेकर अनुशासन :

दंपतियों को अपने डिजिटल उपकरणों के उपयोग के लिए नियम और समय निर्धारित करना चाहिए। व्यक्तिगत समय के दौरान फोन और अन्य डिवाइस से दूर रहना आवश्यक है ताकि वे एक-दूसरे के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकें।

मारवाड़ी समाज में वैवाहिक जीवन में क्लेश और तलाक की बढ़ती संख्या को हल करने के लिए पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक जीवनशैली के बीच संतुलन बिठाने की आवश्यकता है। पेशेवर परामर्श, परिवारिक शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान, आर्थिक योजना, और महिला सशक्तीकरण के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है।

– मनोज शर्मा
सिलिगुड़ी
(संयुक्त प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत)

वैवाहिक जीवन मे तनाव एवं तलाक

आजकल समाज में वैवाहिक जीवन में क्लेश फैला हुआ है, तलाक की संख्या बढ़ रही है। इसके कारण :-

विवाह के साथ जीवन के एक नये दौर की शुरुआत होती है, जो सही उम्र में हो जानी चाहिये। कच्ची उम्र में स्वभाव को बदला जा सकता है। विवाह में दो व्यक्तियों व उनके परिवार की जिंदगी एक साथ बदल जाती है। कभी-कभी ये क्लेश या तकलीफ का कारण बनते हैं। ये कारण सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक या व्यक्तिगत भी हो सकते हैं, जो समस्याएं पैदा करते हैं और बात अनबन से शुरू होकर तलाक तक पहुँच जाती है।

कुछ ज्ञातव्य बिंदु :-

१. **परिवार वालों का हस्तक्षेप**:- लड़की द्वारा घर में होने वाली हर बात की जानकारी देना, अपने पति व ससुराल पक्ष पर विश्वास न करना, उन्हें कुछ समय न देना वैवाहिक जीवन को ठेस पहुँचाता है।

२. **संयुक्त परिवार प्रथा**:- संयुक्त परिवार प्रथा का विघटन होने के कारण 'हम दो, हमारे दो' वाली प्रवृति के कारण घर की जिम्मेदारी और बच्चों की परवरिश का सारा बोझ पति-पत्नी के कंधों पर आ जाता है और उन्हें अनुभव न होने के कारण ये निभाने में असफल हो जाते हैं।

३. **पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव**:- विदेशों की तरह व्यक्तिगत स्वार्थ पर बने रिश्तों ने भी इस समस्या को जन्म दिया है। वे एक-दूसरे की जरूरत पूरी ना कर पाने पर अलग होना पसंद करते हैं। भूल जाते हैं सात फेरों के वचनों को।

४. **प्रेम विवाह**:- बच्चे अपनी पसंद व सोच के अनुरूप शादी करते हैं, जिसमें न उम्र की सीमा है, न जाति, धर्म का बंधन, न समाज की शर्म, ना परिवार की बदनामी का डर।

५. **सोशल मीडिया का प्रभाव**:- पति-पत्नी एक दूसरे से बात करने की अपेक्षा घंटों, अपने मोबाईल, कंम्प्यूटर, टी.वी. में व्यस्त रहते हैं जिससे वे एक-दूसरे को जानने - समझने में असफल हो जाते हैं और उनके बीच अनबन होने लगती है।

६. **पति-पत्नी का कामकाजी होना**:- पति-पत्नी दोनों के जॉब करने पर रिश्तों में झुकना कोई पसंद नहीं करता। दोनों को अपने कैरियर की चिंता रहती है, इससे वे एक-दूसरे की पसंद व जरूरतों के लिए समय ही नहीं निकाल पाते।

७. **विश्वासघात**:- वे एक-दूसरे के साथ संतुष्ट या खुश ना होने पर अपनी खुशियां व जरूरतें (शारीरिक) बाहर तलाशते हैं और अपने जीवनसाथी को धोखा देते हैं। स्थिति सामने आते ही रिश्तो में दूरी व तनाव में वृद्धि होती है।।

८. **नशा नाश का द्वार**:- आजकल युवाओं में नशे का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। गम भुलाने के चक्कर में डिप्रेशन के शिकार पति-पत्नी अपना गुस्सा, फ्रस्ट्रेशन, तनाव एक-दूसरे पर निकालते हैं।

९. **बेमेल विवाह**:- कई बार उपर्युक्त जीवन साथी न मिलने पर भी ऐसी स्थिति बन जाती है।

१०. **मनोबल व सहनशीलता, संस्कारों की कमी**:- बच्चे शुरू से बाहर हॉस्टल में पढ़ते हैं। वहां उन्हें माता-पिता किसी भी चीज का अभाव नहीं होने देते। उनकी आजादी, मनमानी को कोई रोकने-टोकने वाला नहीं होता। फलस्वरूप उनमें सहनशीलता व बड़े-बुजुर्गों की शिक्षा-संस्कारों का बीजारोपण नहीं होता।

११. **परिवार व समाज का दबाव**:- कई बार आने वाली बहू परिवार की अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं होती। वे आने वाली बहु से बहुत सारी उम्मीदें पाल लेते हैं। अपने जमाने को याद करते हैं- ताने कसते हैं। हम तो इतना काम करते या कभी दहेज को लेकर उसकी शिक्षा, नौकरी या रूप-रंग को लेकर भी क्लेश हो सकता है।

जिस तरह हर रात के बाद दिन होता है उसी तरह हर समस्या का समाधान होता है।

समाधान:- इसे रोकने के लिए परिवार व समाज को जागरूक होना होगा। संयुक्त परिवार प्रथा को मजबूत करना और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता फैलाना जरूरी है।

पति-पत्नी एक-दूसरे की बात सुनें-समझें और साथ में समय बितायें। अपनी जिम्मेदारियों को साझेदारी, भागीदारी, सहयोग और संवेदनशीलता के साथ निभाऐं। यदि समस्या गंभीर हो, तो एक्सपर्ट से सलाह ले सकते हैं। कानून की जानकारी ले सकते हैं।

संगीता बैद, गुवाहाटी
(संयुक्त प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत)

राजस्थान हुआ भाषाई गुलाम

– चेतन स्वामी

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि राजस्थान के सभी २२ रजवाड़ों की बहियां राजस्थानी भाषा में लिखी हुई हैं। कभी तो सारे राजकाज राजस्थानी भाषा में हुआ करते थे। हर आदेश, हर पट्टा।

एक तरफ देश आजाद हुआ और दूसरी ओर राजस्थान भाषाई दृष्टिकोण से गुलाम हो गया। ऐसी दुर्घटना, दूसरे किसी राज्य के साथ घटित नहीं हुई। जब देश की राजभाषा घोषित की जानी थी तो अंग्रेजी के खिलाफ हिन्दी राजस्थान के एक वोट से विजयी हुई और तत्कालीन भारत सरकार ने तय किया कि भारत की राजभाषा हिन्दी के साथ दस वर्षो तक अंग्रेजी भी रहेगी। १९५० से वे दस वर्ष आज तक पूरे नहीं हुए हैं। और बेचारी राजस्थानी-हिन्दी की भेंट चढ़ गई। जबरन इस प्रदेश को हिन्दी प्रदेश बना रखा है।

भाषा का मतलब होता है-संप्रेषण। कही गई-लिखी गई बात पूरे संकेतों तथा समस्त अभिप्रायों के साथ संप्रेषित हो। राजस्थानी की संप्रेषण शक्ति के संबंध में सभी दिग्गज भाषाविदों का मानना है कि इसका किसी भाषा से कोई मुकाबला नहीं है। यह विश्व की समृद्ध भाषाओं में से एक है।

एक बार रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कलकत्ता में अपने राजस्थानी मित्र खेमाणीजी के समक्ष राजस्थानी की वीर कविता सुनने का आग्रह किया। इस निमित्त डिंगळ के कवि हिंगळाजदान कविया को बुलाया गया। कवि हिंगळाजदानजी ने कविता पढनी शुरू की तो विश्व कवि रवीन्द्रनाथ जी के पहले शरीर के रौंगटे खड़े हुए और कविता पूरी होते-होते वे स्वयं खड़े हो गए और उनमें शौर्य के भाव उदित हो गए। आंखों में लाल डोरे उतर आए। बड़ी मुश्किल से सहज हो पाए। रवीन्द्र नाथ टैगोर राजस्थानी भाषा को एक अति समृद्ध भाषा मानते थे।

हम राजस्थानी, आज भी अपनी भाषा का मूल्यांकन नहीं कर पा रहे हैं।

(श्री चेतन स्वामी राजस्थानी भाषा के प्रख्यात साहित्यकार हैं - सम्पादक)

खाद्य पदार्थ असली हैं या नकली?

मसाले और खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जांच आप घर बैठे ही कर सकते हैं –

१. **जीरा (Cumin seeds)** : जीरे की परख करने के लिए थोड़ा सा जीरा हाथ में लीजिए और दोनों हथेलियों के बीच रगड़िए। अगर हथेली में रंग छूटे तो समझ जाइए कि जीरा मिलावटी है, क्योंकि जीरा रंग नही छोड़ता।

२. **हींग (Hing)** : हींग की गुणवत्ता जांचने के लिए उसे पानी में धोलिये। अगर घोल दूधिया रंग का हो जाए, तो समझिए कि हींग असली है। दूसरा तरीका है हींग का एक टुकड़ा जीभ पर रखें। अगर हींग असली होगी, तो कड़वापन या चरपराहट का अहसास होगा।

३. **लाल मिर्च पाउडर (Red chilli powder)** : लाल मिर्च पाउडर में सबसे ज्यादा मिलावट की जाती है। इसकी जांच करने के लिए पाउडर को पानी में डालिए, अगर रंग पानी में धुले और बुरादा जैसा तैरने लगे तो मान लीजिए की मिर्च पाउडर नकली है।

४. **सौंफ और धनिया (Fennel & Coriander)** : इन दिनों मार्केट में ऐसी सौंफ और धनिया उपलब्ध हैं जिन पर हरे रंग की पॉलिश होती है। ये नकली पदार्थ होते हैं। इसकी जांच करने के लिए धनिए में आयोडीन मिलाएँ। अगर रंग काला हो जाए, तो समझ जाइए कि धनिया नकली है।

५. **काली मिर्च (Black pepper)** : काली मिर्च पपीते के बीज जैसी ही दिखती है, इसलिए कई बार मिलावटी काली मिर्च में पपीते के बीज भी होते हैं। इसको परखने के लिए एक गिलास पानी में काली मिर्च के दानें डालें। अगर दानें तैरते हैं तो मतलब वो दानें पपीते के हैं और काली मिर्च असली नहीं है।

६. **शहद (Honey)** : शहद में भी खूब मिलावट होती है। शहद में चीनी मिला दी जाती है। इसकी गुणवत्ता जांचने के लिए शहद की बूंदों को गिलास में डालें, अगर शहद तली पर बैठ रहा है, तो इसका मतलब वो असली है, नहीं तो नकली है।

७. **देसी घी (Ghee)** : घी में मिलावट की जांच करने के लिए दो चम्मच हाइट्रोक्लोरिक एसिड और दो चम्मच चीनी लें और उसमें एक चम्मच घी मिलाएँ। अगर मिश्रण लाल रंग का हो जाता है तो समझ जाइए कि घी में मिलावट है।

८. **दूध (Milk)** : दूध में पानी, मिल्क पाउडर, कैमिकल की मिलावट की जाती है। जांच करने के लिए दूध में उंगली डालकर बाहर निकाल लीजिए। अगर उंगली में दूध चिपकता है तो समझ जाइए दूध शुद्ध है। अगर दूध न चिपके तो मतलब दूध में मिलावट है।

९. चाय की पत्ती (Tea) : चाय की जांच करने के लिए सफेद कागज को हल्का भिगोकर उस पर चाय के दाने बिखेर दीजिए। अगर कागज में रंग लग जाए तो समझ जाइए चाय नकली है क्योंकि असली चाय की पत्ती बिना गरम पानी के रंग नहीं छोड़ती।

१०. कॉफी (Coffee) : कॉफी की शुद्धता जांचने के लिए उसे पानी में घोलिए। शुद्ध कॉफी पानी में घुल जाती है, लेकिन अगर घुलने के बाद कॉफी तली में चिपक जाए तो वो नकली है।

तो देखा आपने कितने आसान तरीके से आप अपने खाने में हो रही मिलावट या शुद्धता की जांच कर सकते हैं! हमेशा इंग्रीडिएंट्स और एक्सपाइरी डेट देखकर ही खाने का सामान खरीदें।

आप सभी सदैव स्वस्थ रहें, प्रसन्न रहें...!!

ओंकारमल अग्रवाल : साधक, समन्वयक, सिंह पुरुष

(गतांक से आगे)

– उमेश खंडेलिया

ऐसी ही घटना अभी हाल ही में गुजरी, जो आप में से अधिकतर को याद होगा। असम विधान सभा के माननीय अध्यक्ष विश्वजीत दोयमारी ने अपने एक वक्तव्य में मारवाड़ी समाज के लिए बहुत ओछे व अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया था। रात्रि के करीब ११ बजे ओंकार जी ने मुझे फोन करके इसका प्रतिवाद करते हुए एक स्टेटमेंट बनाने को कहा। वे उस वक्त दिल्ली में थे। उनकी अपेक्षा थी कि स्टेटमेंट आज रात को ही तैयार करके, विस्तृत विचार विमर्श के बाद दूसरे दिन निश्चित रूप से सम्मेलन का प्रतिवादी स्टेटमेंट प्रकाश में आ जाना चाहिए। ओंकार जी उस दिन देर रात तक सक्रिय रहे। इसका आभाष मुझे दुसरे दिन सुबह सुबह ही हो गया, जब तत्कालीन प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जी खंडेलवाल सहित कई लोग, जिनमें अपने समाज के दो लोग भी थे, जिनकी दोयमारी से काफी घनिष्टता थी, के फोन आने लगे। वो सभी मेरे द्वारा प्रस्तुत प्रतिवादी पत्र को लेकर बात करना चाहते थे।

इसी भांति हमारे मुख्यमंत्री के अति घनिष्ट मंत्रियों में से एक जयंतमल्ल बरूआ कांड में भी उनकी भूमिका का स्मरण करते हुए हृदय से नमन करता हूँ। मैने अनुभव किया मारवाड़ी समाज की आन बान शान पर किसी भी तरह के संकट के आभाष मात्र से वे विचलित हो जाते थे।

२०१४ में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के गुवाहाटी अधिवेशन के आयोजन की पृष्टभूमि के बारे में मैं यहाँ चर्चा नहीं करूंगा। बस इतना बताना चाहूंगा कि ओंकार जी उस अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष थे।

वृहत्तर गुवाहाटी क्षेत्र को प्रतिनिधित्व करने हेतु सम्मेलन की द्वितीय शाखा (कामरूप शाखा) का गठन करने का दुसाहसी निर्णय किसकी अगुवाई में और क्यों हुआ, यह भी एक स्मरणीय घटना है।

असम के राजनीतिक क्षेत्र में राधाकिशन खेमका, हीरालाल पटवारी, केदारमल ब्राह्मण व जयकुमार जैन आदि मारवाड़ियों की सक्रियता और स्वीकार्यता चिर स्मरणीय व आदरणीय है। बाद की बदलती परिस्थितियों में मारवाड़ियों की राजनीति में सक्रिय संलग्नता के लिए प्रयास करने वालों में ओंकार जी अन्यतम हैं। ऐतिहासिक विदेशी बहिष्कार आंदोलन में एक विशिष्ट पहचान के साथ सामने आनेवालों में श्री अनिलजी जैना व ओंकार जी के नाम उल्लेखनीय हैं।

असम की पहली क्षेत्रीय पार्टी (अगप) की सरकार में ओंकार जी को २० सूत्री कार्यक्रम परिचालन परिषद के चेयरमैन की जिम्मेदारी सौपी गयी। इस पद को कैबिनेट के बराबर का दर्जा दिया गया था। दो बार लोकसभा चुनाव में खड़े हुए। मारवाड़ी समाज असम के क्षेत्र में भी अपनी पहचान कायम करे, ईस हेतु उन्होंने सम्मेलन में भी माहौल बनाने का प्रयास किया था।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने इन्हें 'चेतना पुरुष' की संशा देते हुए अलंकृत कर अपने मुखपत्र सम्मेलन समाचार का एक विशेष अंक भी प्रकाशित किया था।

मेरी नजरों में वे एक 'सिंह पुरुष' भी हैं। उनकी गर्जना मारवाड़ी समाज को औरों से सुरक्षित महसूस करती है व स्वयं में साहस का संचार भी करती है। सश्रद्ध नमन।

(समाप्त)

राजस्थानी के प्रकांड विद्वान श्री सीताराम लालस

एक तृतीय श्रेणी के अध्यापक जिन्हें आदर से सब 'माड सा' कहते थे। प्रथम नियुक्ति चैनपुरा में हुई। पच्चीस किलोमीटर पैदल जाना और आना सरकारी स्कूल में पढ़ाने के लिए किया करते थे।

जन्म मारवाड़ के मरूस्थलीय गांव नैरवा (औसियां) तहसील में २९ दिसंबर १९०८ को एक चारण परिवार में हुआ। धार्मिक माता-पिता ने नाम रखा सीताराम। वंश परम्परा से डिंगल साहित्य को सुनने और कंठस्थ करने का अवसर आपको मिला। राजस्थानी साहित्य वृतान्त पढ़ने व सुनने का अवसर मिलता था। दो घंटा रोज संस्कृत पढ़ते थे।

पुस्तकें पढ़ने की रुचि थी। पढ़ते तो व्याकरण व भाषागत अशुद्धियों को पढ़ कर माथा ठनकता था। माड साहब को शब्दों की अशुद्धि बर्दाश्त नहीं होती थी। आपने लिखा कि... "पुरानी पुस्तकें अधिकांश हस्तलिखित थीं। शब्दों के बीच स्थान देने की प्रथा नहीं थी। शब्द वर्तनी के दृष्टिकोण से कई पुस्तकों का सम्पादन भी दोषपूर्ण हुआ है।"

माड साब सीताराम जी लालस ने बस यहीं से मातृभाषा राजस्थानी में "शब्दों की शुद्धता" से उपयोग हेतु शब्द कोष बनाने की महान यात्रा की शुरुआत करने का संकल्प लिया। उन्हें श्रेय प्राप्त करने की लेश मात्र भी इच्छा नहीं थी।

शब्दकोष बनाने के लिऐ खुद को तो समर्पित कर दिया, परन्तु मानवीय व आर्थिक संसाधन नहीं थे। आप लिखते हैं - कि मुझे राजस्थानी शब्दों की भूख सताने लगी। इसी दौरान मोतीसर शाखा के कबीर पंथी साधु पूज्य पन्ना राम जी से परिचय हुआ। संत ज्ञान के भंडार थे। उन्हें अनेक ग्रंथ कंठस्थ थे। श्री लालस जी ने लिखा है – "उनका राजस्थानी के संबंध में अद्‌भुत ज्ञान था। रखुनाथ रूपक, रघुवर जसप्रकाश और लखपत पिंगल आदि ग्रंथ कंठस्थ थे।"

माडसाहब को राजस्थानी शब्द कोष के लिए शब्द चाहिए थे। कबीर पंथी उक्त साधु शब्दों के भंडार थे। शब्द हृदय में बसते थे, परंतु आप लिपिबद्ध एक-एक शब्द को करना चाहते थे। कहावत है कि चलता साधु, रमता जोगी और बहता पानी ही अच्छा लगता है। साधु के साथ निरंतर रहना मास्टरी की नौकरी के कारण संभव नहीं था।

माड साहब ने इसके लिए और सानिध्य प्राप्त कर राजस्थानी शब्द संकलन हेतु साधु पन्ना रामजी के सात आठ बार चातुर्मास करवा दिये। अब संतजी के साथ संपर्क व सानिध्य मिला। शब्दों का भंडार ज्यों महाराज जी बोलते वे लिखते जाते। चलते फिरते, यात्रा, कार्यक्रम में आप परचियां पास रखते थे। परचियां भी भरवाने व शब्दावली के हिसाब से व्यवस्थित करने के लिए आपने मटकियां मिट्टी की रखनी प्रारंभ की। लाखों शब्द चलते, फिरते, यात्रा, संवाद, बोलते, सुनते कान में पड़ने वाले राजस्थानी शब्दों का भंडार एकत्र होने लगे। कुछ वेतनभोगी कर्मचारी इस कार्य हेतु रखे गए। आपने अनेक ग्रंथों, पांडुलिपियों का अध्ययन प्रारंभ किया। मिलने वाले राजस्थानी शब्दों को परचियों पर लिख कर एकत्र किया। जीवन के बहुमूल्य पचास वर्ष इस शब्दकोश को बनाने में लगाये। असाध्य परिश्रम और लगन एक ओर तो दूसरी ओर आर्थिक संसाधनों को जुटाने का दुष्कर कार्य किया।

शब्दों को ढूंढने के अनेक अद्‌भुत व अभिनव प्रयोग किये गए। प्रथम खंड के लिए आठ लाख शब्दों की परचियां तौयार की गयीं। तीन सौ से ज्यादा पुस्तकों से शब्द जुटाये गए। शब्दों को गुटाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का प्रवास किया। लोहारों, सुनारों, कारीगरों, खातियों, चर्मकारों, तेलियों, कहारों, जुलाहों, भड़भूँजों, कसेरों आदि के साथ बैठ कर शब्द लिखने की तैयारी की।

अनेक गांवों में प्रवास किए, अनेक पत्र व्यवहार और संवाद हुए। अध्ययन तो पराकाष्ठा का था ही। आर्थिक संसाधनों को जुटाने के कई उपक्रम हुए। आपका देव भगीरथी प्रयास फलीभूत हुआ। लगभग ढाई लाख शब्दों वाला राजस्थानी शब्दकोष पचास वर्षों के अथक प्रयास से सफल हुआ। इस अद्‌भुत कार्य को करने पर आपको भारत के राष्ट्रपति ने पद्म श्री से विभूषित किया। ज.ना. व्यास विश्वविद्यालय ने आपको विद्या-वाचस्पति की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया।

राजस्थानी भाषा साहित री ख्यात ने लिखा है - "इण कोस में इतियास, मिनखा, सांस्कृतिक ठांणां, धरमाऊ सम्प्रदायां मेला-खेला, तीज-तींवारां कोई खास रीतां इत्याद री विगतवार खास जांणकारी कराई। औ कोस राजस्थानी री व्याकरण, साहित्त, धरम, संस्कृति, भूगोल अर इतिहास री आरसी है।"

राजस्थानी के प्रकांड विद्वान श्री सीताराम जी लालस को शत-शत नमन!

आभार : ओंकार सिंह लखावत
(पूर्व राज्यसभा सांसद) के पोस्ट से

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल

सम्मेलन ने सदस्यों एवं समाज बंधु-बांधवों के लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में निम्नलिखित पहल की है –

सम्मेलन ने अपने सहयोगी 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से **एस.वी.एस. मारवाड़ी अस्पताल** (अम्हर्स्ट स्ट्रीट) के साथ मिलकर विविध सर्जरी के लिए व्यवस्था की है, जिसमें **(१) हर्निया, (२) हाइड्रोसिल, (३) पाइल्स, (४) फिस्सुरे** के ऑपरेशन में होने वाले खर्च का 80 प्रतिशत योगदान 'बी. डी. गाड़ोदिया मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट' सीधे तौर पर अस्पताल को देगा और शेष 20 प्रतिशत मरीज को वहन करना पड़ेगा। इसका लाभ देश के सभी प्रांतों के समाज-बंधु ले सकते हैं।

नोट : आवेदन प्रपत्र केंद्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। चिकित्सकीय सेवा का लाभ प्रांतीय अध्यक्ष या महामंत्री के अनुशंसा पत्र के माध्यम से ही मिलेगा। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय से दूरभाष : 033-40044089, 8697317557, ईमेल : aimf1935@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री अरुण कुमार गाड़ोदिया
मे. कोरोना स्टील इंडस्ट्री प्रा. लि.
पी-३४, इंडिया एक्सचेंज प्लेस
साह हाउस, तीसरा तल,
कोलकाता-७००००१, प. बं.
मो : ९८३००३७६५४

श्री बिजय कुमार किशोरपुरिया
मे. बी.एम.डब्लू. वेंचर्स लि.
मोना सिनेमा कॉमप्लेक्स
ईस्ट गांधी मैदान,
पटना-८००००४, बिहार
मो : ९२३४६६७१११

श्री दीनदयाल धनानिया
मे. दीनदयाल रोप्स इंडिया
सिगनेट टावर, यूनिट-१३०४
डी.एन.-२, सेक्टर-५
कोलकाता-७०० ०९१, प. बंग.
मो : ९३३१९३६८७८

श्री इंद्र कुमार डागा
मे. उमंग पाईप्स प्रा. लि.
६, हंसपुकुर लेन,
लक्ष्मी प्लाजा, रू. नं.-३०१,
कोलकाता-७०० ००७, प. बं.
मो : ९८३१०२९४५९

श्री ईश्वर चंद अग्रवाल
मे. जेनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लि.
रिको इंडस्ट्रीयल एरिया, सीतापुर,
टंक रोड, जयपुर - ३०२०२२
राजस्थान
मो : ९८२९०६८५६७

श्री कमल किशोर झुनझुनवाला
मे. सफल सीड्स एन्ड बायोटेक लि.
नाथ नगर, मन्थ रोड
जालना - ४३१२०३
महाराष्ट्र
मो : ९५४५५१५९५४

श्री पन्नालाल बगड़ीया
मे. बगड़ीया ग्रुप
मधुसूदन रिसोर्ट,
राजेंद्र प्रसाद रोड,
जालना - ४३१२०३, महाराष्ट्र
मो : ९३०९९६१४१२

श्री पीयुश कयाल
मे. हिंदुस्तान प्रोड्यूस कं.
वृंदाबन गार्डेन, ९८, क्रीस्टोफार रोड,
भवन-बी-२, तृतीय तल, फ्लाट-४
कोलकाता - ७०००४६, प. बं.
मो : ९४३३०४६९३९

श्री समीर अग्रवाल
समीर सदन,
सिविल क्लब रोड,
जालना - ४३१२०३
महाराष्ट्र
मो : ९४२२२१६८८९

श्री सर्व प्रिय बंसल
१४०२, क्रेसिडा-२,
अपोलो डीबी सिटी, निपानिया
इंडोर - ४५२०१०
मध्य प्रदेश
मो : ९३२९८९८५५५

श्री सत्य नारायण बंसल
मे. श्री सत्य ग्रुप प्रा. लि.
डी.एन.-३६, प्राइमार्क टावर,
साल्ट लेक, सेक्टर-५
कोलकाता - ७०००९१, प. बं.
मो : ८१००८८५५०३

श्रीमती सिवानी सोन्थालिया
सी.जे.-१४९
साल्टलेक सिटी
कोलकाता - ७०००९१
पश्चिम बंग
मो : ९८३११३२२२४

श्रीमती श्री दुधवेवाला
द रेसिडेंसी, सिटी सेंटर
फ्लाट नं.-५०२,
साल्ट लेक सिटी,
कोलकाता - ७०००६४, प. बं.
मो : ९८३०५३३००१

श्री पवन टेकड़ीवाल
डी. ए. ७५, स्ट्रीट नं.-२७६
एक्शन एरिया १,
न्यू टाउन
कोलकाता - ७००१५६
मो : ९८३०८८३३९०

सम्मेलन के सदस्य बनें और बनायें।

आजीवन सदस्य

श्री प्रदीप अग्रवाल ठाकुरगंज, किशनगंज बिहार	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** पो. सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री प्रकाश कर्नाणी** वार्ड नं.-३, काशीपुर रोड, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** मे. सूरजभान अग्रवाल, कटिहार, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार चाँद** मरांचो उजागर, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार
श्री प्रकाश कुमार जैन थाना रोड, पी.सी.ओ. के पास, मधेपुरा, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार केडिया** चौधरी टोला, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार केजरीवाल** मेन रोड, त्रिवेणीगंज, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार केजरीवाल** स्टेशन रोड, झंझारपुर, मधुबनी, बिहार	**श्री प्रमोद अग्रवाल** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार
श्री प्रमोद कुमार अगरवाल पो. सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार अगरवाल** पोस्ट - सूर्यगढ़, लखीसराय, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार पटवारी** दुर्गा मंदिर के पास, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री प्रथम माहेश्वरी** कचहरी पाड़ा, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री प्रथम मित्तल** गणेश मंदिर चौक, दरभंगा, बिहार
श्री प्रतिभा बोंदिया खेड़िया बंग्लागढ़, नील चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री प्रवीण कुमार जैन** हाई स्कूल रोड, त्रिवेनीगंज, बिहार	**श्री प्रीतम बोहरा** मे. मिठाई घर, टावर चौक दरभंगा, बिहार	**श्री प्रेम कुमार अग्रवाल** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्रीमती प्रीति देवी** मे. नेहा एजेंसी, टावर चौक, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार
श्रीमती पूजा अग्रवाल मे. पवन मोस्टार्ड ऑयल मिल्स सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती पूजा तुलस्यान** मे. सीता ट्रेडिंग एजेंसी, विश्वनाथगंज, खगड़िया, बिहार	**श्री पूजन कुमार चुड़िवाल** महेशखुंट बाजार, खगड़िया, बिहार	**श्री पुल्कित कुमार केडिया** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती पूनम अग्रवाल** सोमवारी हीट के पास, सालमारी, कटिहार, बिहार
श्री पुरुषोत्तम कुमार मेन रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री पुरुषोत्तम कुमार अग्रवाल** भवानीपुर, राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**सुश्री रचना कुमारी** वार्ड नं.-५, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राहुल बूबना** बूबना जनरेल स्टोर, टावर चौक, सितामढ़ी, बिहार	**श्री राहुल कुमार** हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार
श्री राज कुमार अग्रवाल मे. कंचन किराना स्टोर, गोला रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राज कुमार जोशी** जोशी भवन, बाटा गली, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री राज कुमार मोहनसारिया** इमलीघाट, गुदड़ीबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री राज कुमार सराफ** कंपनी बाग अस्पटाल रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री राज कुमार टेकरीवाल** चौधरी टोला, वार्ड नं.-१३, भागलपुर, बिहार
श्री राज पंसारी भगवान दास मोहल्ला, खनका चौक, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती रजनी देवी** मे. सुनिल हैन्डलुम, हसनपुर रोड, सुगर मिल्स, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राजीव कुमार टिबड़ेवाल** पुरानी बाजार, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री राजीव कुमार यादुका** भवानीपुर, राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**श्री राजेश अग्रवाल** सालमारी, कटिहार, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री राजेश कुमार अगरवाल मे. सोहनलाल अगरवाल, विष्णुपुर, किशनगंज, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** दुर्गा मंदिर के पास, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री राजेश कुमार चौधरी** चौधरी टोला, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री राजेश कुमार केड़िया** भवानीपुर राजधाम, पुर्णिया, बिहार
श्री राजेश कुमार मित्तल नगर परिषद्, पुपरी सीतामढ़ी, बिहार	**श्री राजेश लोहिया** शाहपुर उंडि, पैटोरी, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राजीव आग्रवाल** बिहार	**श्री राजीव कुमार** सुभाष चौक, गुल्लोवाड़ा, दरभांगा, बिहार	**श्री राजीव टेकरीवाल** गांधी नगर, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार
श्री राजकुमार सराफ ५१०, स्मृति प्लाजा, मोतीझील, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्रीमती राजकुमारी देवी** सुगर मिल के पास, बिठा रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राजु कुमार खाटर** मे. बालाजी मेडिको, स्टेशन रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री राकेश कुमार सेठिया** दुर्गास्थान मंदिर, मैन रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री रामचंद्र प्रसाद अग्रवाल** मे. बंदना, सूर्यगढ़, लखीसराय, बिहार
श्री रमेश अग्रवाल मे. दिनेश आयरण स्टोर, धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री रमेश केडिया** भवानीपुर, राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री रमेश कुमार** मे. केशव ट्रेडर्स, मैन रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** अग्रसेन भवन रोड, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री रंजीत कुमार** भवानीपुर, राजधाम पुर्णिया, बिहार
श्री रंजीत मित्तल नगर परिषद, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्रीमती रश्मि देवी** मारांची उजागर, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार	**श्रीमती रश्मि पंसारी** मधेपुरा, बिहार	**श्री रतन कुमार गाड़ोदिया** हल्का कचहरी, वार्ड नं.-०९, ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री रतन लाल अग्रवाल** बिहार
श्री रौनक केड़िया मे. देवड़ा फैन्सी स्टोर, जनकपुर रोड, पुपरी, बिहार	**श्री रवि केशान** रामजी चौक, बैंक रोड, रक्सौल, इस्ट चंपारण, बिहार	**श्री रवि कुमार अग्रवाल** श्री घनश्याम अग्रवाल ओल्ड बैंक रोड, नवादा, बिहार	**श्री रविन्द्र कुमार शर्मा** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्रीमती रेखा अग्रवाल** हसनपुर बाजार, हसनपुर सुगर मिल्स, समस्तीपुर, बिहार
श्रीमती रेनु अग्रवाल वार्ड नं.-३, हसनपुर बाजार, रामपुर राज्य, समस्तीपुर, बिहार	**श्रीमती रेनु अग्रवाल** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती रीना देवी** मरांची उजागर, हसनपुर सुगर मिल्स, समस्तीपुर, बिहार	**श्रीमती रिंकी केजरीवाल** वार्ड नं.-१६, नगर पंचायत, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री रितेश बाजोड़िया** आपकी दुकान, लोहापट्टी, सीतामढ़ी, बिहार
श्री रीतेश कुमार अग्रवाल विद्यापति चौक, पुपरी, राँची, झारखंड	**श्रीमती ऋतु बुबना** मे. कोमल स्टेशनरी, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्रीमती रिया अग्रवाल** स्टेशन रोड, वार्ड नं.-१० सुपौल, बिहार	**श्री रोहित जालान** मेन रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री रोहित कुमार केडिया** भवानीपुर, राजधाम, पूर्णिया, बिहार
श्री रोहित कुमार मित्तल मे. नरसिंग ऑटो स्पेयर्स, झाझिहाट रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री रोहित कुमार शर्मा** धर्मशाला रोड, गुदरी बाजार, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री रोहित सुल्तानिया** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्री रोहित टेकरीवाल** चौधरी टोला, वार्ड नं.-१३, भागलपुर, बिहार	**श्री रोमित कुमार** वार्ड नं.-८, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री रोशन चौधरी गणेश मंदिर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री रुचि बुबना** मेन रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्रीमती रूपा सिंघानिया** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री रुपेश कुमार गोयल** सुगर मिल चौक, हसनपुर रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्रीमती सविता मित्ताल** पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार
श्री सचीन दिवाकर पृथ्वी चौक, सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री सागर खण्डेलवाल** सुगौली बाजार, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री सजन कुमार अग्रवाल** पो. सालमारी, जि.-कटिहार, बिहार	**श्री संदीप अग्रवाल (बॉबी)** कालीबाड़ी रोड, कटिहार, बिहार	**श्री संदीप कुमार** मे. बजरंग स्टोर, सालमारी कटिहार, बिहार
श्री सुरेश अग्रवाल वार्ड नं.-१५, स्टेशन रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुरेश कुमार अगरवाल** मे. आनंद इलेक्ट्रोनिक्स, कालीबारि रोड, कटिहार, बिहार	**श्री संजय अग्रवाल** बिहार	**श्री संजय अग्रवाल** वारिसलीगंज, नवाडा, बिहार	**श्री संजय अग्रवाल** वार्ड नं.-८, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार
श्री संजय कुमार केडिया वार्ड नं.-८, भवानीपुर राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री संजय कुमार पालिवाल** मे. पालिवाल वस्त्रालय, सूतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री संजय कुमार पुगलिया** गुदड़ी बाजार, चौधरी मेडिकल हॉल के पास, मधेपुरा, बिहार	**श्री संजय कुमार टेकरीवाल** धान गोला, सासाराम, बिहार	**श्री संजय कुमार टिबड़ेवाल** हवेली खड़गपुर, मुंगेर, बिहार
श्री संजय कुमार चौधरी वार्ड नं.-८, शांति नगर, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री संजय मित्तल** मे. मित्तल जनरल स्टोर, झाझिहाट रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री संजीव कुमार** सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री संजीव कुमार अग्रवाल** मे. महालक्ष्मी ट्रेडर्स, मेन रोड, चौसा थाना, मधेपुरा, बिहार	**श्री संजीव लोहिया** मे. हरि ओम ट्रेडिंग, श्रीदिलपुर समस्तीपुर, बिहार
श्री संजीव टिबड़ेवाल गुल्लोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री संतोष बाजोरिया** मे. संतोष किराना, नाका के पास, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री संतोष जालान** मेन रोड, नगर परिषद, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री संतोष कुमार जैन** ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती सरिता देवी** वार्ड नं.-१२, मारंची उजागर, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार
श्री सार्थक सोंथालिया चौधरी टोला, वार्ड नं. १२, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री शशी कुमार केजरीवाल** भवानीपुर, राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री सतीश कुमार चौधरी** झंझारपुर, मधुबनी, बिहार	**श्री सौरभ कुमार अग्रवाल** सोमबारी हाट, पो. सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री सौरभ कुमार लुहारुका** सोमवारी हाट, सालमारी, कटिहार, बिहार
श्री सौरभ बागला मारवाड़ी स्कूल गली, वार्ड नं. १६, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री सौरभ कुमार अग्रवाल** मेन रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्रीमती सीमा अग्रवाल** पो. सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती सीमा देवी** मे. बालाजी इंटरप्राइजेज सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री शैलेश जालान** झाझिहाट रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार
श्री शंकर लाल सोनी मेन रोड, वार्ड नं.-२० मधेपुरा, बिहार	**श्री शंकर प्रसाद अग्रवाल** सत्य देव गंज, बक्सर, बिहार	**श्री शंकर प्रसाद लोहिया** साहपुर पटोरी, समस्तीपुर, बिहार	**श्री शंकर प्रसाद शर्मा** वार्ड नं. ६, नगर पंचायत, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री श्रवण केडिया** गुलोवाड़ा, दरभंगा, बिहार
श्री शशिकांत शर्मा मे. शर्मा मेडिकेल हॉल, मधुबनी, बिहार	**श्री शेखर कुमार टेकड़ीवाल** वार्ड नं. १२, चौधरी टोला, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार	**श्री शिव दयाल सोमानी** शाहपुर पाटोरी, समस्तीपुर, बिहार	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** पोस्ट-सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री शिव कुमार केजरीवाल** मे. खेमका इलेक्ट्रिक कहलगाँव, भागलपुर, बिहार

COLORS
BY RUPA
Follow Us: @LiveColors
#1001
#1002
SCAN & EXPLORE
pep collection
AVAILABLE COLOURS
pep up your inner self
NEWLY LAUNCHED
Newborn & Infant Wear
Peek a boo
AGE : 0-12 Months
Toll-Free No.: 1800 1235 001
Shop @ rupaonlinestore.com | livecolors.in | amazon.in

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th July, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com